संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-20 अंक- 301
पृष्ठ 8
रविवार
21 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सिगरेटद के धुंए में ७००० से...

विचार- कांवड़ यात्रा से पहले विवादास्पद फैसला

खेल- गौतम गंभीर का कोचिंग स्टाफ ...

मुख्यमंत्री योगी ने शुरू किया पौधरोपण जन अभियान

अकबरनगर को हटाकर सौमित्र वन स्थापित किया जा रहा : मुख्यमंत्री योगी

सीएम ने सौमित्र वन, कुकरैल नदी तट पर हरिशंकरी का पौधा लगा किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को सौमित्र वन, कुकरैल नदी तट, अयोध्या रोड लखनऊ में हरिशंकरी का पौध लगाया। इसके पहले सीएम ने इन पौधों को रक्षासूत्र बांधा। इसी के साथ वृक्षारोपण जन अभियान–2024 (पहली जुलाई से 30 सितंबर 2024) के अंतर्गत एक दिन (20 जुलाई) में प्रदेश में 36.50 करोड़ पौधरोपण महा अभियान का शुभारंभ हुआ। सीएम ने सौमित्र वन के विकास की प्रस्तावित कार्ययोजना का भी अवलोकन किया और इससे जुड़ी लु फिल्म भी देखी।

ग्लोबल वॉर्मिंग के दुष्प्रभाव के कारण लंबे समय तक याद रहेगा मई–जून का महीना

सीएम योगी ने कहा कि गत वर्ष बड़े क्षेत्रफल में अक्तूबर में बाढ़ आई थी। बाढ़ का समय अगस्त से मध्य सितंबर तक रहता है। पहली बार जुलाई के प्रथम सप्ताह में ही बाढ़ की विभीषिका झेलने को मजबूर होना पड़ा। इससे यूपी के 24 जनपद, 20 लाख से अधिक की आबादी प्रभावित रही। नेपाल व उत्तराखंड की अतिवृष्टि के कारण यह बाढ़ के चपेट में आए। यह ग्लोबल वॉर्मिंग का दुष्प्रभाव है। इस बार मई–जून का महीना लंबे समय तक याद रहेगा। यहां का तापमान अमूमन 42–45 रहता था, लेकिन इस बार यह 47–50 तक पहुंचा। यह दुष्प्रभाव जल का संकट भी खड़ा करेगा। कहीं असमय बारिश तो कहीं सूखे का संकट होगा। इसके कारण होने वाले परिवर्तन से कई जगहों पर अकाल पड़ने की भी संभावना दिखेगी।

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने का आह्वान किया था। पर्यावरणविद् चिंतित हैं कि दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग जीव सृष्टि के लिए नया संकट खड़ा करने जा रहा है। यह संकट मनुष्य के स्वार्थ ने प्रदान किया है, इसलिए इसे नियंत्रित करने की जिम्मेदारी भी मनुष्य पर ही होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के संवैधानिक मुखिया के रूप में पीएम मोदी का यह आह्वान हर भारतवासी के लिए मंत्र बनना चाहिए। पांच जून के बाद से प्रदेश में लगातार पौधरोपण महाभियान के साथ श्एक पेड़ मां के नामश लगाने का यह गौरव लगभग हर परिवार को प्राप्त होने जा रहा है। यूपी की कुल आबादी 25 करोड़ है, हम 36.50 करोड़ पौधरोपण कर रिकॉर्ड तोड़ने जा रहे हैं। ऐसे में यूपी में आज एक दिन के भीतर हर मातृशक्ति के नाम पर तीन पेड़ लगने जा रहे हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। वहीं सीएम के नेतृत्व में शनिवार को उत्तर प्रदेश में एक दिन (20 जुलाई) में 36.50 करोड़ पौधरोपण महाअभियान का शुभारंभ हुआ। सीएम योगी ने पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर श्एक पेड़ मां के नामश को समर्पित श्पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ जन अभियान–2024 के तहत पौधा लगाया।

कभी अकबरनगर के नाम पर प्रदूषण का माध्यम था, आज सौमित्र वन का गठन हुआ

सीएम योगी ने कहा कि पहले अकबरनगर के नाम पर यह प्रदूषण का माध्यम बना था, आज वहां श्रीराम के अनुज लक्ष्मण जी के नाम पर सौमित्र वन का गठन हुआ है। मैंने भी हरिशंकरी की वाटिका लगाई। इसके दूसरी ओर शक्ति वन बनने जा रहा है। यह भारत की नदी संस्कृति को बचाने का माध्यम बनेगा। श्एक पेड़ मां के नामश के साथ नई मजबूती प्रदान करने में यह हमारा मार्गदर्शन करेगा।

भूमाफिया ने 1984 के बाद अपने स्वार्थ के लिए कुकरैल नदी को पाटना प्रारंभ किया

सीएम योगी ने कहा कि 50 साल पहले कुकरैल नदी निकलते हुए गोमती मे मिलती थी। 1984 के बाद भूमाफिया ने अपने स्वार्थ के लिए इसे पाटना शुरू किया, जिससे यह नदी नाला में तब्दील हो गई और बस्तियों के ड्रेनेज को उड़ेलने का माध्यम बन गई। एक तरफ नदी को मारा गया तो दूसरी तरफ गोमती नदी को भी प्रदूषित किया गया। लखनऊ में आकर गोमती काली हो गई। प्रदेश सरकार ने तय किया कि कुकरैल में नाइट सफारी बनाएंगे। सीएम ने कहा कि इस क्षेत्र के अतिक्रमण को हटाया गया। जिनकी रजिस्ट्री थी, प्रशासन की मदद से एलडीए ने 3100 परिवारों को एक–एक आवास देकर पुनर्वास किया। जिन भूमाफिया ने जमीन के धंधे से जुड़कर लोगों को ठगा, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़कर एलडीए ने इसे खाली करवाया।

सात वर्ष में हमने लगाए 168 करोड़ पौधरोपण, इनमें से 75–80 फीसदी पेड़ जीवित

सीएम योगी ने कहा कि 2017 में यूपी में सरकार बनने के बाद पीएम के मार्गदर्शन व नेतृत्व में हमने पौधरोपण अभियान प्रारंभ किया। सात वर्ष में भाजपा नेतृत्व की सरकार ने 168 करोड़ पौधरोपण किया। प्रदेश के अंदर थर्ड पार्टी के जरिए इनका सर्वे कराया तो पता चला कि 75–80 फीसदी पेड़ अभी भी जीवित हैं और अच्छी वाटिका के रूप में स्थापित हैं। वैश्विक संस्थाएं भी इसे मान्यता दे रही हैं।

वडोदरा में स्कूल की दीवार गिरी, 4 बच्चे घायल

स्टूडेंट 10 फीट नीचे गिरे, बीच में शेड था इसलिए गंभीर चोटें नहीं आई

वडोदरा, एजेंसी। गुजरात में वडोदरा के श्री नारायण स्कूल में दूसरी मंजिल पर कमरे की एक दीवार गिरने से 4 बच्चे घायल हो गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें 4 बच्चे बेंच सहित 10 फीट नीचे गिरते नजर आए। एक छात्र को सिर पर चोट आई है। तीन को हल्की चोटें हैं। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12रू30 बजे की है। इसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि दीवार के ठीक पीछे एक शेड था। बच्चे पहले शेड पर गिरे। उसके बाद नीचे जमीन पर आए। इस कारण उन्हें गंभीर चोटें नहीं आईं। दीवार गिरने के कारण का पता लगाया जा रहा है। उधर, वडोदरा पेरेंट्स एसोसिएशन ने आज शनिवार को स्कूल संचालक के खिलाफ प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। मामले को लेकर केस दर्ज भी कराया जा सकता है।

पुलिस ने बच्चों के बयान दर्ज किए : पुलिस ने घायल बच्चों, उनके परिजनों और स्कूल प्रबंधन का बयान दर्ज किया है। घटना के बाद से अभी तक शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की तरफ से कोई बयान दिया गया है। स्थानीय लोगों ने कहा था कि पुरानी इमारत होने की वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, स्कूल प्रशासन का कहना है कि उनके पास सभी जरूरी दस्तावेज है।

NEHRU GRAM BHARATI
(DEEMED TO BE UNIVERSITY)
U/S-3 UGC ACT 1956
B+ GRADE ACCREDITED BY NAAC

ADMISSION OPEN 2024-25
www.ngbv.ac.in
Email ID: director.admission@ngbu.edu.in

NEP-2020
04 Year Undergraduate Program with Multiple Entry and Exit Options
B.A. with Honours/Honours with Research
Available Streams (Multicore Discipline):
Hindi, Sanskrit, English, Philosophy, Home Science, Sociology, Political Science, Geography, Economics, Music, Education, Ancient History
(Single Core Discipline):
Journalism & Mass Communication
B.Sc. with Honours/Honours with Research
Available Streams (Multicore Discipline):
Botany, Chemistry, Physics, Mathematics, Zoology
B.Com. with Honours/Honours with Research
Single Core Discipline

FACILITIES
- Internship and Placement Facilities
- Well equipped Laboratories
- Central Library with remote access
- Central Instrumentation Facility
- Hostel Facility for Boys and Girls
- Transport Facility
- Scholarship and Fellowships

Ph.D. Programme in each of the Major Disciplines

UG, PG, Diploma and Certificate Programs

Faculty of Arts
(Contact: 9792870737)
- BA with Honours/ Honours with Research
- MA
Available Streams: Ancient History, Hindi, Sanskrit, English, Political Science, Philosophy, Geography, Home Science, Economics, Sociology
- MA (J.M.C)
(Contact: 9307351001)
- B.Lib.I.Sc.
- M.Lib.I.Sc.
- BPA
- MPA (Vocal) & (Tabla)
- MSW

Faculty of Science
Contact: 9670829105 (Botany), 7905721081 (Zoology), 7379419393 (Chemistry), 6307735503 (Maths), 9450254530 (Physics)
- B.Sc. with Honours/ Honours with Research
- M.Sc.
Available Streams: Botany, Zoology, Chemistry, Physics, Mathematics
- PG Diploma in Environment Impact Assessment
- PG Diploma in Aquaculture Technology & Management
- UG, PG, Diploma & Certificate Programmes

Faculty of Law
(Contact: 8004018779)
- BA LL.B. (Integrated)
- LL.B.
- LL.M.
- LL.M. (Cyber Law)
Diploma in Goods & Service Tax
- Diploma in Human Rights

Faculty of Commerce
(Contact: 9076930111)
- B.Com. with Honours/ Honours with Research
- M.Com.

Faculty of Education
(Contact: 8318328419)
- B.Ed.
- M.Ed.
- B.El.Ed.
- D.El.Ed.

Dept. Of Special Education
(Contact: 9631761911)
- B.Ed.Spl.Ed.(HI)
- B.Ed.Spl.Ed.(ID)
- M.Ed.Spl.Ed.(HI)
- D.Ed.Spl.Ed.(IDD)
- D.Ed.Spl.Ed.(HI)

Faculty of Management & Computer Application
Dept. of Management
(Contact: 9616447425)
- B.B.A.
- M.B.A.

Dept. of Computer Application
(Contact: 9307351001)
- B.C.A.
- M.C.A.
- P.G.D.C.A.

Special Programmes
- Diploma in Jyotish, Karmakand & Vastu Shastra (Contact: 9839054247)
- Post Graduate Diploma in Yoga (Contact: 9452009649)
- Post Graduate Diploma in Photography (Contact: 9415235281)
- PG Diploma in Journalism & Mass Communication (Contact: 9936431218)

For More Queries & Details, Please Contact: +91 9721352187, +91 9670449214, +91 9918025600 +91 9918025444

Admission Cell: Shashi Campus, Kotwa-Jamunipur, Prayagraj, Uttar Pradesh-221505
Hanumanganj Campus: G.T. Road, Hanumanganj, Prayagraj, Uttar Pradesh-221505
City Office: 104F/3, Malviya Road, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh-211002

कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगे राहुल गांधी के पोस्टर

लिखा- हिंदू-मुसलमान नहीं, मोहब्बत की दुकान

प्रयागराज। योगी सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकान पर नाम और पहचान लिखे जाने का विरोध करते हुए कांग्रेसियों ने जगह–जगह मोहब्बत की दुकान का पोस्टर चस्पा किए

हैं।पोस्टर में लिखा है मोहब्बत की दुकान, नो हिंदू–मुसलमान। पोस्टर में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की फोटो लगी हुई है। कांग्रेस नेता इरशाद उल्ला व अब्दुल कलाम आजाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार का यह फैसला अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। यह देश की गंगा जमुनी तहजीब की संस्कृति के खिलाफ है। देश में मोहब्बत भाईचारा एकता की बात होनी चाहिए न कि हिंदू और मुसलमान को अलग करने की बात करनी चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार का यह आदेश देश को बांटने का कार्य कर रहा है। यह गलत है। यह अध्यादेश वापस होना चाहिए। मुस्लिम भाई कावड़ियों पर यात्रा में फूलों की वर्षा करते हैं। पानी शरबत लंगर करके उनका स्वागत करते हैं।

यूपी के सभी जिला बार एसोसिएशन की हड़ताल पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के जिलों की किसी भी बार एसोसिएशन की ओर से हड़ताल करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा है कि हड़ताल पर जाना सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लघंन होगा। इसे स्वतः अवमानना माना जाएगा। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी की खंडपीठ ने जिला बार एसोसिएशन प्रयागराज के विरूद्ध चल रही आपराधिक अवमानना कार्यवाही की सुनवाई करते हुए दिया। बार काउंसिल आफ इंडिया की तरफ से कहा गया कि वह बिना वकीलों की गैर जरूरी हड़ताल के शांतिपूर्ण अदालती कार्यवाही के लिए प्रतिबद्ध है। वह बैठक कर इस दिशा में काम कर रहे हैं। इसी बात को उप्र बार काउंसिल व जिला बार एसोसिएशन प्रयागराज के अधिवक्ता ने अपनाया। जिस पर कोर्ट ने 7 अगस्त को बार काउंसिल आफ इंडिया के चेयरमैन के अलावा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन व एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष को भी जिला अदालतों में वकीलों की हड़ताल न होने के मुद्दे पर कोर्ट को सहयोग देने के लिए मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

प्रयागराज से बनारस तक एक लेन कांवड़ियों के लिए रिजर्व

दुकानों पर नहीं लिखे नाम, सुरक्षा में 3000 पुलिसकर्मी, ड्रोन से निगरानी, नॉनवेज दुकानें नहीं लगेंगी

प्रयागराज। सावन लगने के साथ ही कांवड़ यात्रा की शुरुआत हो जाएगी। कांवड़ यात्रा के लिए पुलिस ने खास तैयारी की है। प्रयागराज से बनारस रूट और मंदिरों की सुरक्षा के मद्देनजर 3000 पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। 22 जुलाई से कांवड़ यात्रा की शुरुआत से पहले ही प्रयागराज–वाराणसी रूट पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद कर यातायात डायवर्जन लागू कर दिया जाएगा। सबसे अहम तो यह कि प्रयागराज–वाराणसी रूट ट्रैफिक डायवर्जन के साथ ही सड़क, पुल की एक लेन कांवड़ियों के लिए आरक्षित कर दी गई है।

इस पर वाहन नहीं चलेंगे, महज कांवड़ यात्रा गुजरेगी। इस रूट की निगरानी ड्रोन से होगी। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तरह प्रयागराज में कांवड़ियों के गुजरने वाले मार्गों पर दुकानदारों के नाम आदि नहीं लिखाए गए हैं।

कई रास्ते कांवड़ियों के लिए फ्री जोन जैसेः कांवड़ प्रयागराज–वाराणसी के लिए झूंसी, सरायइनायत, हंडिया, भदोही के रास्ते वाराणसी जाते हैं। पूरी रात कांवड़ियों के गुजरने, यात्रा निकलने, डीजे आदि जाने की वजह से एक लेन उनके लिए बुक रहेगी। दूसरी लेन से ही वाहनों और लोगों की आवाजाही होगी। डीसीपी अभिषेक भारतीय कांवड़ यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा इंतजामों को लेकर मीटिंग और रूट गश्त कर रहे हैं। डीसीपी का कहना है कि एक लेन कांवड़ यात्रा के लिए होगी। हर मंदिर पर सुरक्षा इंतजाम के साथ हाईवे पर फोर्स मौजूद रहेगी। पेट्रोलिंग के लिए भी टीमें लगाई गई हैं। फाफामऊ से सहसों होते जौनपुर मार्ग, फाफामऊ से मऊआइमा होते हुए प्रतापगढ़, श्रृंगवेरपुर घाट से जाने वाले मार्ग, थरवई में पांडेश्वर नाथ पड़िला महादेव धाम मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

पति फोटो खींच रहा था, पत्नी 400 फीट नीचे गिरी

रीवा में वाटर फॉल पर उल्टे पैर पीछे जा रही थी, बैलेंस बिगड़ने से हादसा

रीवा। रीवा के क्योटी वाटर फॉल पर पति से फोटो खिंचवा रही नवविवाहित महिला बैलेंस बिगड़ने से 400 फीट गहरी खाई में जा गिरी। जिससे उसकी मौत हो गई। हादसा शुक्रवार का है। महिला की लाश शनिवार सुबह बरामद की गई। महिला चट्टानों से टकराते हुए 400 फीट नीचे पत्थर पर जाकर गिरी थी। सूचना पर मौके पर पहुंची एसडीईआरएफ की टीम ने शुक्रवार शाम को रेस्क्यू शुरू किया। टीम को महिला का शव भी नजर आया, लेकिन रात ज्यादा होने से ऑपरेशन रोकना पड़ा। शनिवार सुबह टीम ने फिर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम के एक मेंबर को नीचे उतरा गया। जो रस्सी की मदद से शव को

वर्तिका पटेल

ऊपर लाया। एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि महिला किनारे पर थीं। पैर फिसलने से हादसा हुआ है।

3 महीने पहले ही हुई थी महिला की शादी : मृतक महिला का नाम वर्तिका पटेल (25) था। जो प्रयागराज के कर्नलगंज से पति सौरभ पटेल और परिवार के साथ वाटर फॉल घूमने आई थीं। 3 महीने पहले ही दोनों की शादी हुई थी। पति सौरभ हाईकोर्ट (प्रयागराज) में वकील हैं।

पति बोला– मैं चिल्लाया... पीछे देखो, गिर जाओगी...

पति सौरभ ने बताया, शहम घूमने के लिए निकले थे। वाइफ ने पहले मेरे फोटो क्लिक किए। बाद में मैं उसके फोटो क्लिक करने लगा। वो कभी छाता, तो कभी दुपट्ट्टा लेकर फोटो क्लिक करा रही थीं। झरने के कोने पर थीं। कुछ आगे हमारा सामान रखा था। वाइफ ने वहां अपना दुपट्ट्टा रखा और फोटो क्लिक कराने के लिए उल्टे पैर ही पीछे की ओर जाने लगीं। मैं फोटो देख रहा था, नजर पड़ी तो तेजी से चिल्लाया कि पीछे देखो, गिर जाओगी। इस पर पीछे जाते हुए ही वाइफ ने पलटकर देखा और बैलेंस नहीं कर पाईं।

फोटो के चक्कर में वाटरफॉल में गिरने की ये दूसरी घटना

जिले में सेल्फी–फोटो के चक्कर में वाटर वॉल में गिरने की एक हफ्ते में ये दूसरी घटना है। सेमरिया के चचाई वाटर फॉल में भी एक युवक गिर गया था। सोमवार दोपहर उत्तर प्रदेश से 12 पर्यटक चचाई वाटर फॉल घूमने आए थे। इन्हीं में से एक युवक सचिन सिंह (30) सेल्फी लेने के दौरान चचाई वाटर फॉल में गिर गया था। एसडीईआरएफ ने उसे बचाया था।

उदयभान करवरिया रिहा होंगे, एके–47 से सपा विधायक जवाहर

पंडित की हत्या में हुई थी उम्रकैद, भाजपा से दो बार रहे विधायक

प्रयागराज। प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल में बंद भाजपा के पूर्व विधायक और बाहुबली उदयभान करवरिया को अब रिहा किया जाएगा। राज्यपाल की मंजूरी के बाद अब एसएसपी और कड प्रयागराज ने समयपूर्व रिहाई की संतुस्ति दे दी है। अनुच्छेद 161 के तहत राज्यपाल ने उदयभान करवरिया की सजा को माफ किया। इसके बाद कारागार विभाग ने पूर्व विधायक उदयभान करवरिया की रिहाई का आदेश जारी कर दिया। आदेश में कहा– 30 जुलाई 2023 तक उदयभान करवरिया ने 8 साल 3 महीने 22 दिन की अपरिहार सजा और 8 साल 9 महीने 11 दिन की सपरिहार सजा काट ली है।ैऔर कड प्रयागराज ने समयपूर्व रिहाई की संस्तुति किए जाने, जेल में करवरिया का आचरण उत्तम होने और दयायाचिका समिति द्वारा की गई संस्तुति के चलते समयपूर्व रिहाई का आदेश किया जा रहा है।

28 साल पहले हुई थी एके–47 से सपा विधायक की हत्या

प्रयागराज में 13 अगस्त 1996 को सपा के पूर्व विधायक जवाहर यादव उर्फ जवाहर पंडित की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। एके–47 से जवाहर पंडित को भून दिया गया। इस हत्याकांड में उदयभान करवरिया और उसके दो भाइयों को दोषी पाया गया। करवरिया बंधुओं को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। तीन भाइयों पूर्व बसपा सांसद कपिल मुनि करवरिया, पूर्व भाजपा विधायक उदयभान करवरिया और पूर्व बसपा एमएलसी सूरजभान करवरिया को जेल भेजा गया। तीनों को 4 नवंबर 2019 में सजा सुनाई गई थी।

बालू के ठेकों के वर्चस्व में हुई हत्या, 7 नामजद किए गए

करवरिया परिवार और पूर्व जवाहर पंडित के बीच बालू के ठेकों पर वर्चस्व को लेकर अदावत थी। जवाहर पंडित हत्याकांड की मेन वजह भी यही रही। सात लोगों को नामजद किया गया। इनमें कपिलमुनि करवरिया, उनके भाई उदयभान करवरिया, सूरजभान करवरिया और उनके रिश्तेदार रामचंद्र उर्फ कल्लू नामजद समेत अन्य थे। लेकिन राजनीति में तीनों भाइयों का रसूख बढ़ता गया। उदयभान विधायक बने, तो उनके भाई बसपा से सांसद और एमएलसी। केस में नामजद उदयभान के चाचा श्याम नारायण करवरिया उर्फ मौला महाराज की 1996 में मौत हो गई।

कलराज मिश्रा ने करवरिया बंधुओं के पक्ष में गवाही दी

सपा विधायक जवाहर पंडित हत्याकांड ने राजनीतिक सरगर्मी तब तेज कर दी, जब तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कलराज मिश्रा ने कपिलमुनि करवरिया के पक्ष में गवाही दी। जवाहर की हत्या के बाद उसके भाई सुलाकी यादव ने अपनी तहरीर में करवरिया भाइयों को नामजद किया। तब तीनों भाइयों ने दावा करते हुए कहा– हम लोग घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। कपिल मुनि करवरिया का दावा था कि वो उस दिन इलाहाबाद में नहीं, बल्कि पूरा दिन कलराज मिश्र के साथ थे। इस बयान के बाद कलराज मिश्रा ने तब के राज्यपाल रोमेश भंडारी को खुला खत लिखा। उन्होंने केस की CBCID जांच की मांग की। कलराज मिश्र कपिलमुनि के पक्ष में गवाही देने आए, लेकिन कोर्ट ने उनकी गवाही को स्वीकार नहीं की।

सपा सरकार आते ही करवरिया बंधुओं पर कसा गया शिकंजा

2012 में यूपी में सरकार बदली, तो स्थितियां भी बदल गईं। जवाहर पंडित हत्याकांड की सुनवाई तेज हो गई। वर्ष 2013 में हाईकोर्ट ने मामले की कार्यवाही में लगा स्टे खारिज कर दिया। लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे उदयभान को गिरफ्तार करने का वारंट निकाल दिया। उदयभान 2 महीने फरार रहे। एक जनवरी 2014 को उन्होंने सरेंडर कर दिया। बाद में कपिल मुनि और सूरजभान भी जेल चले गए। तीनों भाई जेल चले गए, तो 2017 में भाजपा ने उदयभान की पत्नी नीलम को मेजा सीट से चुनाव लड़ाया। यह पहला मौका था, जब भाजपा ने मेजा से पहली बार जीत दर्ज की।

मेरी जान को खतरा है, जेल परिसर में सुनवाई हो

सरेंडर करने के बाद जेल भेजे गए उदयभान करवरिया ने 2015 में अपनी जान को खतरा बताया। तब जिला अदालत में पेशी पर पहुंचे उदयभान ने कोर्ट से अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा था– सपा विधायक विजमा यादव और उनके भाई रामलोचन से उनकी पुरानी दुश्ध्मनी है। ऐसे में वे उनकी हत्य्या कर सकते हैं। कोर्ट को दिए प्रार्थना पत्र में करवरिया ने कहा था– मेरी हत्य्या का पूरा बंदोबस्त कर लिया गया है। मेरे मुकदमे की सुनवाई जेल परिसर में ही की जाए या फिर CRPF की सुरक्षा में उन्हें जिला अदालत में लाया जाए। उन्ह्होंने यूपी पुलिस के ऊपर अविश्वास व्यक्त किया था। इसके साथ ही कहा था– राज्य्य में सपा की सरकार है, ऐसे में सपा विधायक विजमा यादव और उनका भाई उनकी हत्या करा सकते हैं।

सजा से पहले भाजपा सरकार ने की केस वापसी की पैरवी

करवरिया बंधुओं को सजा होने के ठीक 13 महीने पहले 4 अक्टूबर 2018 को उत्तर प्रदेश सरकार ने इलाहाबाद सेशन कोर्ट में केस वापसी की अर्जी दाखिल की थी। सरकार की तरफ से कहा गया था– करवरिया बंधुओं के के खिलाफ आरोप साबित होने के लिहाज से पर्याप्त सबूत नहीं है। सरकार के इस फैसले के खिलाफ जवाहर पंडित की पत्नी विजमा यादव हाईकोर्ट गईं। हाईकोर्ट ने सरकार की इस अपील को खारिज कर दिया। इसके साथ ही केस को जारी रखने के निर्देश दिए थे। इसके बाद तीनों भाइयों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

राजनीति में सबसे पहले उदयभान ने जीत दर्ज की

करवरिया परिवार मूलरूप से कौशांबी के मंझनपुर के चकनारा गांव का रहने वाला है। इस परिवार को पूरे इलाहाबाद में दबंगई के लिए जाना जाता रहा। उदयभान करवरिया अपनी फैमिली के पहले मेंबर थे, जिन्होंने सिसायी जीत हासिल की। विधायक बने। फिर भाई, पत्नी सभी राजनीति में सफल हुए। हालांकि, इससे पहले उदयभान के दादा जगत नारायण करवरिया 1967 में सिराथू सीट से चुनावी मैदान में उतरे थे, लेकिन वो हार गए। फिर उदयभान के पिता विशिष्ट नारायण करवरिया ऊर्फ भुक्खल महाराज ने इलाहाबाद उत्तरी और दक्षिणी विधानसभा से निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़े, लेकिन उन्हें भी जीत नहीं मिली।

दो बार भाजपा से विधायक बने उदयभान करवरिया

साल 1997 में उदयभान करवरिया कौशांबी जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने। इसके बाद 2000 में पंचायत चुनाव हुए। इसमें उदयभान के बड़े भाई कपिल मुनि करवरिया ने कौशांबी के जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जीता। कहा जाता है कि उदयभान करवरिया वरिष्ठ नेता डा. मुरली मनोहर जोशी के संरक्षण में राजनीतिक सफर में आगे बढ़ते रहे। 2002 के चुनाव में उन्हें बारा विधानसभा का संयोजक बनाकर भेजा गया। जैसे ही चुनाव घोषित हुए उन्हें पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी बना दिया गया। उन्होंने बसपा उम्मीदवार को मात दी। उदयभान ने इलाहाबाद की बारा सीट पर पहली बार भाजपा को जीत दिलाई और विधायक बने।

एसीजेएम आगरा ने जल्दबाजी में सम्मन जारी किया

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा– न्यायिक विवेक का इस्तेमाल नहीं किया, यह गंभीर केस है

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसीजेएम आगरा के खिलाफ तीखी टिप्पणी की है। बिना कारण बताए और न्यायिक विवेक का इस्तेमाल किए बगैर जल्दबाजी में आपराधिक केस में अभियुक्त को सम्मन जारी करने के मामले पर कोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा– सम्मन जारी करना गंभीर व महत्वपूर्ण मामला है। मजिस्ट्रेट ने इसे हल्के में लेकर कमतर किया है। कोर्ट ने जारी सम्मन आदेश 2 फरवरी 24 को रद्द करते हुए मजिस्ट्रेट को नए सिरे से आदेश जारी करने का निर्देश दिया है। साथ ही आदेश की प्रति आगरा जिले के प्रशासनिक न्यायमूर्ति को भेजने का आदेश दिया, ताकि जरूरी हो तो मजिस्ट्रेट को प्रशिक्षण के लिए भेजा जाए। कोर्ट ने महानिबंधक को जरूरी कदम उठाने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी ने श्रीमती सपना व चार अन्य की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया। कोर्ट ने इस केस को उदाहरण माना कि ट्रायल कोर्ट गंभीर मामलों को कैसे लेती है। धारा 204 मे सम्मन जारी करना गंभीर मामला है। सम्मन जारी करने के कारण का अवश्य उल्लेख किया जाना चाहिए। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के ललन कुमार सिंह केस के विपरीत है। मजिस्ट्रेट ने बिना कोई कारण बताए आपराधिक केस में सम्मन जारी किया है।

खेत की जुताई के दौरान रोटावेटर में फंसने से मासूम की मौत, परिवार में मचा कोहराम

प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र के रोकड़ी गांव शनिवार को सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। खेत की जुताई के दौरान ट्रैक्टर पर बैठे मासूम की रोटावेटर में फंसने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। रोकड़ी गांव निवासी बिरहा पटेल का छोटा बेटा लालू पटेल (5) खेत की जुताई के दौरान ट्रैक्टर पर बैठा था। ऊबड़ खाबड़ जमीन पर ट्रैक्टर चलने के दौरान वह छिटककर नीचे गिर गया। जब तक ट्रैक्टर चालक की नजर उस पर पड़ती तब तक रोटावेटर में फंसकर उसकी मौत हो गई। आंख के सामने मासूम की मौत देखकर परिवार के लोग बदहवास हो गए। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। परिवार के लोगों ने बिना देर किए शव का अंतिम संस्कार स्थानीय गंगा घाट पर कर दिया।

भाजपा सांसद की जीत को हाईकोर्ट में दी गई चुनौती, अगले सप्ताह होगी सुनवाई

प्रयागराज। भदोही से इंडिया गठबंधन की सहयोगी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रत्याशी ललितेश पति त्रिपाठी ने अपने सामने चुनाव लड़कर सांसद बने भाजपा के विनोद कुमार बिंद की जीत को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। चुनाव याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई होने की संभावना है। सपा ने भदोही लोकसभा सीट तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को दी थी। टीएमसी मुखिया ममता बनर्जी ने यूपी के मुख्यमंत्री रहे कमलापति त्रिपाठी के पोते ललितेश पति त्रिपाठी को यहां से उम्मीदवार बनाया था। भदोही लोकसभा सीट में प्रयागराज की हंडिया और प्रतापपुर विधानसभा सीटें भी आती हैं।

विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, दिन, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	आवृत्ति	प्रस्थान के दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
03255	पटना-आनंद विहार (ट.)	सप्ताह में दो दिन	गुरूवार, रविवार	28.07.2024	01.08.24 से 29.09.24 तक
03256	आनंद विहार (ट.) -पटना	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, सोमवार	29.07.2024	02.08.24 से 30.09.24 तक
02391	पटना-आनंद विहार (ट.)	साप्ताहिक	शनिवार	27.07.2024	03.08.24 से 28.09.24 तक
02392	आनंद विहार (ट.) -पटना	साप्ताहिक	रविवार	28.07.2024	04.08.24 से 29.09.24 तक
03257	दानापुर-आनंद विहार (ट.)	साप्ताहिक	रविवार	28.07.2024	04.08.24 से 29.09.24 तक
03258	आनंद विहार (ट.) -दानापुर	साप्ताहिक	सोमवार	29.07.2024	05.08.24 से 30.09.24 तक
03225	दानापुर-सिकंदराबाद	साप्ताहिक	गुरूवार	25.07.2024	01.08.24 से 26.09.24 तक
03226	सिकंदराबाद -दानापुर	साप्ताहिक	रविवार	28.07.2024	04.08.24 से 29.09.24 तक

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 1263/24(ADM)

@CPRONCR North central railways @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (कनिष्ठ श्रेणी) गर्वी इलाहाबाद द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 99 सन -2024

मोहम्मद नाशिर उम्र लगभग 72 वर्ष पुत्र स्व. मोहम्मद नाजिम निवासी 106 सदर बाजार न्यू बैंट तहसील सदर जनपद प्रयागराज ।

बनाम

परवीन बेगम पुत्री स्व. नाजिम निवासी बख्शी मोहल्ला मेरठ कैंट जनपद मेरठ ।

अपने पिता मोहम्मद नाजिम को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिए 1889 ई. के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाण पत्र अभिप्राप्ति के लिए ।

चूंकि न्यायालय उक्त से प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिए आवेदन दिया है और सन 2024 के 07 का 22 दिवस आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को वाद उपरोक्त के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति को वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वाह्न न्यायालय सिविल जज वरिष्ठ श्रेणी इलाहाबाद मे नियत दिनांक पर उपसजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा ।

नियत तिथि - 22-07-2024

न्यायालय

आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **श्रीमती एरम कय्यूम उर्फ इरम कय्यूम** पत्नी श्री इमरानुल हक, मेरे फ्लैट सं0-एल-13/401, अल्प आयवर्ग, तृतीयतल चार मंजिला, बुद्ध विहार आवास योजना, देवघाट झलवा, प्रयागराज का **मूल आवंटन पत्र दि0-01.01.2011 वास्तव में कहीं खो गया है** और बहुत खोजने के बाद भी अभी तक नहीं मिला जिसकी प्राथमिक रिपोर्ट भी थाने में कीगयी है जिसे मिले नीचे दिए पते पर पहुंचा दे।

श्रीमती एरम कय्यूम उर्फ इरम कय्यूम
पत्नी श्री इमरानुल हक, **नि0**- 8/4, मिन्हाजपुर, जनपद, प्रयागराज।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (वरिष्ठ श्रेणी) इलाहाबाद द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

उत्तराधिकार वाद संख्या - 424 सन -2024

1. **श्रीमती प्रेमकली** उम्र 55 वर्ष पत्नी स्व. केशव प्रसाद दूबे वर्तमान पता निवासिनी व पत्राचार का पता ग्राम व पोस्ट इनौआ थाना औराई जनपद संत रविदास नगर (भदोही) , स्थायी निवासी ग्राम औता (सिंगरो) तहसील व थाना मेजा प्रयागराज, 2. **अनामिका दूबे उर्फ अनायिका तिवारी** उम्र 25 वर्ष पुत्री केशव प्रसाद दूबे पत्नी धीरज तिवारी निवासी ग्राम व पोस्ट इनौआ थाना औराई जनपद संत रविदास नगर (भदोही)।

...**वादीगण**

बनाम

1.**श्रीमती सुषमा दूबे** उम्र 60 वर्ष पत्नी स्व. केशव प्रसाद दूबे, 2. **अनुराग दूबे** उम्र 27 वर्ष , 3.**कार्तिकेय दूबे** उम्र 24 वर्ष पुत्रगण स्व. केशव प्रसाद दूबे निवासीगण 29 बरसाना सैक्टर ओ.पी.एस. मार्ग कालिंदीपुरम राजरूपपुर गयासुद्दीनपुर उपरहार परगना व तहसील सदर थाना धूमनगंज जिला प्रयागराज ।

...**विपक्षीगण**

अपने पिता स्व. केशव प्रसाद दूबे को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिए प्रमाण पत्र की अभिप्ति के लिए 1889 ई. के अधिनियम 7 के अधीन का आवेदन उत्तराधिकार प्रमाण पत्र अभिप्राप्ति के लिए।

चूंकि न्यायालय उक्त से प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिए आवेदन दिया है और सन 2024 के 08 का 06 दिवस आवेदन की सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को वाद उपरोक्त के आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति को वह स्वयं या अधिवक्ता द्वारा 10 बजे पूर्वाह्न न्यायालय सिविल जज (वरिष्ठ श्रेणी) इलाहाबाद मे नियत दिनांक पर उपसजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायगी और आवेदन के सम्बन्ध यथोचित आदेश पारित होगा ।

नियत तिथि - 06-08-2024

न्यायालय

संक्षिप्त

एलन मस्क ने मोदी को एक्स पर दुनिया में सबसे अधिक फश्वलोअर वाला नेता बनने पर बधाई दी

न्यूयॉर्क। टेस्ला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सोशल मीडिया मंच एक्स पर दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलोअर वाला नेता बनने पर शुक्रवार को बधाई दी। मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता बनने पर बधाई।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक्स अकाउंट पर 10 करोड़ से अधिक फॉलोअर हो गए हैं। 'एक्स' पर 10 करोड़ फॉलोअर होने पर प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा था, एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर। इस जीवंत माध्यम पर आकर और चर्चा, बहस, अंतर्दृष्टि, लोगों के आशीर्वाद, रचनात्मक आलोचना तथा बहुत कुछ का हिस्सा बनकर खुश हूं। भविष्य में भी इसी प्रकार से लोगों से जुड़े रहने को उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री मोदी की तरह ही बड़ी संख्या में फॉलोअर होने वाले विश्व के अन्य नेताओं में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन (3.81 करोड़) और तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन (2. 15 करोड़) शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी क्रमशः 2.5 करोड़ सब्सक्राइबर और 9.1 करोड़ से अधिक फॉलोअर के साथ यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर भी प्रभावशाली उपस्थिति रखते हैं।

दुनिया के लिए हरित ऊर्जा वृद्धि का इंजन बनेगा भारत : केंद्रीय मंत्री

नयी दिल्ली । केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि भारत दुनिया के लिए हरित ऊर्जा वृद्धि का इंजन बनेगा क्योंकि देश में वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट क्षमता की इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता स्थापित होने की उम्मीद है। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री जोशी ने कर्नाटक के डोडाबल्लापुर में एक निजी कंपनी के इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन करते हुए यह संभावना जताई। उन्होंने कहा, भारत में दुनिया में हरित ऊर्जा की वृद्धि का चालक बनने की क्षमता

है। हरित हाइड्रोजन की मांग भारत में इलेक्ट्रोलाइजर की मांग को बढ़ावा देगी। संभावना है कि वर्ष 2030 तकभारत में 60 गीगावाट से लेकर 100 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता स्थापित हो जाएगी। उनकी टिप्पणी इस लिहाज से अहम है कि सरकार ने 50 लाख टन की हरित हाइड्रोजन क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। इलेक्ट्रोलाइजर हरित हाइड्रोजन के निर्माण में इस्तेमाल होने वाला एक प्रमुख घटक है। जोशी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन परिवहन, इस्पात विनिर्माण और भारी उद्योग जैसे क्षेत्रों को कार्बन–मुक्त करने का जरिया है। उन्होंने कहा कि कार्बन उत्सर्जन किए बगैर स्वच्छ ऊर्जा वाहनों को ताकत दे सकती है, कारखानों को ईंधन दे सकती है और घरों को रोशन कर सकती है। उन्होंने समग्र नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर कहा भारत ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस क्षेत्र में कई मील के पत्थर हासिल किए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 2014 में 76 गीगावाट से 2.5 गुना बढ़कर जून 2024 तक 195 गीगावाट से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा क्षमता 2014 में केवल तीन गीगावाट से बढ़कर अब 85 गीगावाट से अधिक हो गई है, जबकि पवन ऊर्जा क्षमता इस दशक में 21 गीगावाट से बढ़कर 46 गीगावाट से अधिक हो गई है।

एयर इंडिया ने रूस में फंसे यात्रियों को ले जाने के लिए मुंबई से राहत उड़ान भेजी

मुंबई। एयर इंडिया ने अपनी दिल्ली–सैन फ्रांसिस्को उड़ान के यात्रियों को ले जाने के लिए मुंबई से एक राहत उड़ान रवाना की है। ये यात्री बृहस्पतिवार से रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केजेए) पर फंसे हुए हैं। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने पीटीआई–से कहा कि राहत विमान यहां छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से दोपहर 12.52 बजे रवाना हुआ और इसके शाम सात बजे के आसपास रूसी शहर क्रास्नोयार्स्क पहुंचने की संभावना है। एयरलाइन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि राहत उड़ान के लिए उसे नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है। इससे पहले एयर इंडिया ने कहा था कि राहत उड़ान के लिए विनियामक मंजूरी प्राप्त कर ली गई है, जो क्रास्नोयार्स्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से, वहां फंसे यात्रियों को ले जाने के लिए मुंबई से रवाना होगी। दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान को बृहस्पतिवार को रूस के क्रास्नोयार्स्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भेज दिया गया था जब कॉकपिट चालक दल को बोइंग 777 विमान के कार्गो होल्ड क्षेत्र में कोई समस्या दिखी थी। एयर इंडिया के स्थानीय कर्मचारियों को उन यात्रियों की सहायता के लिए कहा गया, जिन्हें रूसी वीजा के अभाव में अधिकारियों द्वारा टर्मिनल भवन में ही रहने के लिए कहा गया था। उड़ान संख्या एआई 183 में 225 यात्री और चालक दल के 19 सदस्य सवार थे। एयरलाइन ने कहा कि टर्मिनल पर भोजन और पेय सुविधाएं अब खुल गई हैं और सभी यात्रियों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। खान–पान की सुविधाएं शाम को बंद थीं। एयर इंडिया के अनुसार, मास्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के प्रतिनिधि भी मदद कर रहे हैं और रूसी अधिकारियों के साथ मिलकर यात्रियों को होटलों में जाने की अनुमति देने के लिए काम कर रहे हैं।

गौतम गंभीर का कोचिंग स्टाफ अभिषेक नायर–रेयान टेन डोएशेट जाएंगे श्रीलंका, द्रविड़ के साथ को फिर मौका

अभिषेक नायर और नीदरलैंड्स के पूर्व खिलाड़ी रेयान टेन डोएशेट को भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल कर लिया गया है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसकी औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की है। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ में राहुल द्रविड़ के साथ टी दिलीप भी शामिल हैं, जो फील्डिंग कोच बने रहेंगे।

भारत के पूर्व ऑलराउंडर अभिषेक नायर और नीदरलैंड्स के पूर्व खिलाड़ी रेयान टेन डोएशेट को भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल कर लिया गया है। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसकी औपचारिक रूप से घोषणा नहीं की है। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ में राहुल द्रविड़ के साथ टी दिलीप भी शामिल हैं, जो फील्डिंग कोच बने रहेंगे। दिलीप ने न केवल एक प्रभावी फील्डिंग कोच के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है, बल्कि ड्रेसिंग रूप में एक अच्छा सकारात्मक प्रभाव भी बनाया है। माना जाता है कि वह टीम बॉन्डिंग बनाने में बहुत अच्छे हैं। क्रिकबज के रिपोर्ट के अनुसार नायर और टेन डोएशेट दोनों को सहायक कोच नियुक्त किया गया है। नए गेंदबाजी कोच को लेकर अभी भी अस्पष्टता बनी हुई है, लेकिन साउथ अफ्रीका पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल एक मजबूत उम्मीदवार हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि पूर्व दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज को गंभीर की कोचिंग टीम में ये भूमिका मिले।

गंभीर के साथ काम कर चुके हैं नायर, टेन डोएशेट और मोर्कल

कोचिंग टीम में शामिल सभी नए सदस्य नायर, टेन डोएशेट पहले भी इंडियन प्रीमियर लीग में गंभीर के कोचिंग करियर के विभिन्न चरणों में उनके साथ काम कर चुके हैं। नायर और टेन डोएशेट पिछले सीजन में केकेआर के 2024 में चौंपियन बनने के दौरान उनके साथ थे, जबकि मोर्कल ने लखनऊ सुपर जायंट्स में दो साल तक

गंभीर के साथ काम किया था। दिलीप और नायर सोमवार को टीम के साथ श्रीलंका जाएंगे, लेकिन ये स्पष्ट नहीं है कि टेन डोएशेट कब और कैसे टीम से जुड़ेंगे। वह वर्तमान में अमेरिका में चल रहे मेजर लीग क्रिकेट में एलए नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ के हिस्से है। वह कोलंबो में सीधे टीम से जुड़ सकते हैं। इसी तरह, मोर्कल की योजनाओं पर भी कोई स्पष्टता नहीं है। क्रिकबज के अनुसार बीसीसीआई ने टीम के गेंदबाजी कोच बनने की संभावना के बारे में उनसे चर्चा की है। भारतीय टीम सोमवार को दोपहर 1 बजे चार्टर फ्लाइट से मुंबई से कोलंबो के लिए रवाना होगी। टीम के रवाना होने से पहले, बीसीसीआई द्वारा औपचारिक रूप से गंभीर को नए मुख्य कोच के रूप में घोषित किए जाने की उम्मीद है। 22 जुलाई को मुंबई के अंधेरी में एक पांच सितारा होटल में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस की योजना बनाई गई है। इसमें नवनियुक्त टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव भी शामिल होंगे। बीसीसीआई प्रमुख जय शाह, जो पहलेसे ही इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के वार्षिक सम्मेलन के लिए कोलंबो में हैं। वह श्रीलंका पहुंचने पर टीम के नए सदस्यों से मिल सकेंगे।

जमा वृद्धि के कर्ज से पीछे रहने से हो सकती है संरचनात्मक नकदी की समस्या : दास

मुंबई। जमा वृद्धि अगर कर्ज बढ़ने के मुकाबले पीछे है, तो संरचनात्मक नकदी संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने शुक्रवार को बैंकों को आगाह किया। दास ने असुरक्षित ऋण के मोर्चे पर और भी समस्याओं की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि बैंकों के पास पर्याप्त बड़े पोर्टफोलियो होने के बावजूद, ऐसे जोखिम भरे ऋण के लिए उच्च सीमा है। उन्होंने बैंकों से सतर्क रहने को कहा। दास ने बैंकों से ऋण तथा जमा वृद्धि के बीच उचित संतुलन बनाए रखने का आग्रह करते हुए कहा कि घरेलू बचत का एक बड़ा हिस्सा जो पहले जमा के रूप में बैंकिंग प्रणाली में आता था, अब म्यूचुअल फंड जैसे अन्य साधनों में जा रहा है। उन्होंने अखबार फाइनेंशियल एक्सप्रेस के एक कार्यक्रम में कहा, ऋण वृद्धि को जमा वृद्धि से बहुत आगे नहीं बढ़ना चाहिए। खासकर तब, जब बैंकों को सीआरआर, एसएलआर, एलसीआर बनाए रखने की आवश्यकता होती है। दास ने कहा कि पिछले कुछ समय से जमा राशि जुटाने की प्रक्रिया ऋण वृद्धि से पिछड़ रही है। इससे प्रणाली में संरचनात्मक नकदी संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि बैंकों और एनबीएफसी तथा अन्य ऋणदाताओं को संरचनात्मक परिवर्तनों की पहचान करनी चाहिए और उनके अनुसार अपनी रणनीति तैयार करनी चाहिए। डिजिटल धोखाधड़ी के बारे में उन्होंने कहा कि आरबीआई फर्जी खातों की जांच करने के लिए बैंकों और जांच एजेंसियों के साथ काम कर रहा है।

सानिया मिर्जा के साथ शादी की अफवाहों पर शमी ने तोड़ी चुप्पी, जानें क्या कहा?

मोहम्मद शमी और टेनिस स्टार सानिया मिर्जा की शादी को लेकर कई अफवाहें उड़ी। बीते दिनों इन अफवाहों के कारण दोनों की नकली फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। वहीं ये अफवाहें इतनी ज्यादा थी कि सानिया मिर्जा के पिचा को इस खबर का खंडन करना पड़ा। अब इस पर मोहम्मद शमी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

भारत के स्टार क्रिकेटर मोहम्मद शमी और टेनिस स्टार सानिया मिर्जा की शादी को लेकर कई अफवाहें उड़ी। बीते दिनों इन अफवाहों के कारण दोनों की नकली फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई। वहीं ये अफवाहें इतनी ज्यादा थी कि सानिया मिर्जा के पिता को इस खबर का खंडन करना पड़ा। अब इस पर मोहम्मद शमी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। मोहम्मद शमी ने यूट्यूबर शुभांकर मिश्रा के साथ बातचीत में सामिया मिर्जा के साथ शादी की अफवाहों पर कहा कि लोगों को सोच समझकर मीम्स बनाने चाहिए। किसी के लिए वह मजाक होता है तो किसी की वह जिंदगी से जुड़ा होता है। साथ ही तेज गेंदबाज ने ऐसी अफवाह फैलाने वालों को चुनौती दी है कि हिम्मत है तो वे वैरिफाइड पेज से ऐसा कुछ करके दिखाएं।

मोहम्मद शमी को कैसे पता चला

सानिया मिर्जा और मोहम्मद शमी शादी करने वाले हैं इस खबर के बारे में भारतीय तेज गेंदबाज को कैसे पता चला? इस सवाल का जवाब देते हुए शमी ने कहा कि, कुछ नहीं फोन खोलो तो उसमें अपना ही फोटो दिखता है क्या करेंगे उसमें। मैं एक ही चीज बोलना चाहूंगा किसी को नहीं खींचना चाहिए ऐसा। मीम्स मैं मानता हूं आपके मजाक के लिए मीम्स होंगे वो, लेकिन किसी की जिंदगी से जुड़े होते हैं। आपको सोच समझकर वो मीम्स बनाने चाहिए। शमी ने आगे कहा कि, आज आप वैरिफाइड पेज नहीं हो, आपका पता नहीं, आपकी जानकारी नहीं है तो आप कुछ बोल सकते हो। मैं एक ही चीज बोलना चाहूंगा इस प्लेटफॉर्म पर कि अगर आपमें दम है तो वैरिफाइड पेज से बोलकर दिखाओ। फिर हम बताते हैं कि आप कितने पानी में खड़े हो। दूसरे की टांग खींचना या दूसरे को गढ़े में धकेलना बड़ा आसान है। थोड़ा सक्सेस होकर दिखआओ। थोड़ा अपना लेवल ऊपर कर दिखाओ। अपनी फैमिली का साथ पकड़कर दिखओ। चार बंदो का फ्यूटर अच्छा करके दिखाओ। जितना उस बदतमीजी में समझ में आ रहा है न आपको.. दूसरे की टांग खींचने में। इतना किसी की मदद करके दिखाओ। तब मैं मानूंगा आप अच्छे इंसान हो।

टीम से ड्रॉप किए जाने पर मोहम्मद शमी का छलका दर्द, कहा– 3 मैच में 1 3 विकेट लिए और क्या चाहते थे?

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को 2019 में हुए वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल से ड्रॉप कर दिया गया था। टीम मैनेजमेंट के इस फैसले पर उस समय काफी सवाल उठे थे। शमी ने इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद टीम से बाहर किए जाने के निर्णय पर अपना पक्ष रखा है। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चार मैच में 14 विकेट झटके थे इस दौरान उन्होंने अफगानिस्तान के

खिलाफ हैट्रिक भी ली। शमी ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट हॉल हासिल किया। मोहम्मद शमी को वनडे वर्ल्ड कप 2019 के दौरान भारत के ग्रुप स्टेज के आखिरी मैच से बाहर रखा गया था, जोकि श्रीलंका के खिलाफ था। सबको उम्मीद थी कि सेमीफाइनल में ये खिलाड़ी टीम में वापस आएगा लेकिन उन्हें ड्रॉप कर दिया गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में हुए सेमीफाइनल में भारत 18 रन से हार गया था। भारत के अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी ने शुभंकर मिश्रा के यूट्यूब शो पर कहा कि, 2019 में मैंने शुरुआत के 4–5 दिन नहीं खेले, लेकिन अगले मैच में मैंने हैट्रिक ली। उसके बाद पांच विकेट हॉल लिया। और फिर अगले गेम में चार विकेट चटकाए। 2023 में भी यही चीज हुई। मैं शुरुआत के कुछ गेम में नहीं खेला और फिर पांच विकेट हॉल लिया और फिर चार और उसके बाद पांच विकेट हॉल हासिल किया।

जियो प्लेटफॉर्म्स का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 11.7 प्रतिशत बढ़कर 5,698 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली। रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स का जून तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 11.7 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 5,698 करोड़ रुपये हो गया। पहली तिमाही में ग्राहक आधार बढ़ा है लेकिन प्रति उपयोगकर्ता औसत राजस्व (एआरपीयू) तिमाही आधार पर स्थिर रहा। जियो ने शुक्रवार को अप्रैल–जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करते हुए कहा कि उसके कुल ग्राहकों की

संख्या लगभग 49 करोड़ तक पहुँच गई है, जिसमें 13 करोड़ 5जी उपयोगकर्ता शामिल हैं। इसके साथ ही जियो चीन के बाहर 5जी सेवाओं का सबसे बड़ा ऑपरेटर बन गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के दूरसंचार और डिजिटल कारोबार का संचालन करने वाली इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स का सकल राजस्व बीती तिमाही में 34,548 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 12.8 प्रतिशत अधिक है। आलोच्य अवधि में कंपनी का परिचालन राजस्व 29,449 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 12.8 प्रतिशत अधिक है। जियो प्लेटफॉर्म्स ने कहा कि परिचालन राजस्व में वृद्धि मुख्य रूप से मोबाइल और घरों में मजबूत ग्राहक वृद्धि के कारण हुई। एबिटा यानी कर–पूर्व आय में 11.6 प्रतिशत वृद्धि मुख्य रूप से राजस्व वृद्धि और परिचालन मजबूती के कारण हुई। हालांकि बीती तिमाही में एआरपीयू मार्च तिमाही की तुलना में स्थिर रहा और एक साल पहले की अवधि की तुलना में 0.7 प्रतिशत बढ़ा। तीन जुलाई को शुल्क दरों में की गई बढ़ोतरी का असर सितंबर तिमाही में ही नजर आएगा। बेहतर ग्राहक आधार के साथ एआरपीयू 181.7 रुपये रहा। प्रति व्यक्ति डेटा खपत बढ़कर 30.3 जीबी प्रति माह यानी प्रतिदिन एक जीबी से अधिक हो गई। जियो ने कहा कि डेटा ट्रैफिक के मामले में यह दुनिया भर में सबसे बड़ा ऑपरेटर बन गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि डिजिटल सेवा कारोबार ने सकारात्मक वृद्धि रफ्तार को जारी रखते हुए सालाना आधार पर 'प्रभावशाली' वित्तीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, भारत की 5जी क्षमता का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा कवर करने वाले जियो का ट्रू 5ळ नेटवर्क उपयोगकर्ताओं को आकर्षित करना जारी रखे हुए है, जबकि फिक्स्ड ब्रॉडबैंड पेशकश घरों और उद्यमों दोनों में उपभोक्ता आकर्षण में वृद्धि देख रही है। जियो द्वारा पेश किया गया आकर्षक मूल्य प्रस्ताव अधिक भारतीयों को अगली पीढ़ी के डेटा नेटवर्क में बदलाव करने में सक्षम बना रहा है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, हमारी नई प्री–पेड योजनाएं 5जी और एआई के प्रति उद्योग नवाचारऔर टिकाऊ वृद्धि को बढ़ावा देंगी। अपने बेहतर नेटवर्क और नई सेवा प्रस्तावों के साथ जियो अपने बाजार नेतृत्व को और मजबूत करेगा।

सम्पादकीय.....

सेहत की कैंटीन

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि भारत धीरे–धीरे मधुमेह, हृदय रोग व मोटापे की राजधानी बनता जा रहा है। देश के हर चार में से एक व्यक्ति मोटापे व प्री–डायबिटिक स्थिति में पहुंच गया है। संकट इसलिए बड़ा है कि किशोर व युवा भी इसके चपेट में आ रहे हैं। रात दिन मोबाइल–लेपटॉप में लगे रहने और शारीरिक श्रम से दूर पीढ़ी के लिए फास्ट फूड खासा घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि कई सर्वेक्षणों के निष्कर्ष व विशेषज्ञों की सिफारिश के बाद देश के विश्वविद्यालयों का नियमन करने वाली राष्ट्रीय संस्था विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कॉलेजों को निर्देश दिये हैं कि कॉलेज की कैंटीन में पिज्जा, बर्गर और समोसे जैसे जंक फूड की बिक्री पर रोक लगाई जाए।। दरअसल, छात्रों में बढ़ते मोटापे और मोटापे से जनित अन्य रोगों की समस्या के मद्देनजर यूजीसी ने कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य के लिये नुकसानदायक खाद्य पदार्थों की बिक्री पर तुरंत रोक लगायी जाए। निस्संदेह, नई पीढ़ी में जंक फूड को लेकर खासा क्रेज है, लेकिन युवाओं के स्वास्थ्य को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हाल के दिनों में युवाओं में मधुमेह, मोटापे व हृदय संबंधी विकार के मामले तेजी से बढ़े हैं। कुछ माह पूर्व आयी आईसीएमआर की रिपोर्ट में भी चिंता जताई गई थी कि देश में तेजी से बढ़ रहे अल्ट्रा–प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में वसा की अधिक मात्रा पायी जाती है। जो मोटापा बढ़ने का बड़ा कारण है। जो कालांतर हृदयाघात,डायबिटीज आदि गैर संक्रामक बीमारियों की वजह बनता है। आईसीएमआर ने अच्छे स्वास्थ्य को मानव के मौलिक विशेषाधिकार की संज्ञा दी है। दूसरी ओर मानव पोषण, महामारी विज्ञान, चिकित्सा शिक्षा, बाल रोग व सामुदायिक उपचार आदि के स्वतंत्र विशेषज्ञों के राष्ट्रीय थिंक टैंक एनएपीआई ने भी इसी प्रकार की चिंताएं जतायी हैं। एनएपीआई ने भी शैक्षणिक संस्थानों में अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों पर तुरंत रोक लगाने की सलाह दी है। साथ ही कैंटीन में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया है।बहरहाल, अब शिक्षण संस्थाओं के प्रबंधकों व शिक्षकों का दायित्व है कि कालेजों की कैंटीनों में स्वस्थ खाद्य पदार्थों के विकल्प उपलब्ध करायें। साथ ही छात्रों को इस दिशा में आगे बढ़ने को प्रेरित करें। निस्संदेह, केवल यूजीसी के निर्देशों से हालात बदलने वाले नहीं हैं। दरअसल, यूजीसी ने इस बाबत पहली बार दिशा–निर्देश नहीं दिये हैं। इससे पहले दस नवंबर 2016 तथा इक्कीस अगस्त 2018 को भी इसी तरह के परामर्श जारी किये गए थे। विडंबना यह है कि युवा पीढ़ी पाश्चात्य खानपान शैली का अंधानुकरण कर रही है। किसी देश का खानपान उस देश की जलवायु तथा रोगों की आनुवंशिकता के आधार पर तय होता है। युवा पीढ़ी मौसमी फल, सब्जियों तथा परंपरागत खाद्य पदार्थों से परहेज कर रही है। सदियों से हमारे खानपान में उन तमाम खाद्य पदार्थों से परहेज किया गया, जो तामसिक प्रवृत्ति के हैं और त्रिदोष को बढ़ावा देने वाले हैं। सही मायने में हमारे खानपान में एसिड बढ़ाने वाले पदार्थों का बोलबाला है। जबकि हमें क्षारीय प्रवृत्ति वाले खाद्य पदार्थों का सेवन भी संतुलन के लिये करना चाहिए। दरअसल, समय के साथ देश में संपन्नता आई है और समृद्ध खानपान की शैली विकसित हुई है, लेकिन विडंबना यह है कि हमारी जीवन शैली में श्रम की प्रधानता घटी है। श्रमशील व गतिशील व्यक्ति को सब कुछ हजम हो जाता है, लेकिन निष्क्रिय जीवन शैली मोटापे, मधुमेह व हृदय रोगों को बढ़ावा देती है। चिंता की बात यह है कि जो रोग पहले व्यक्ति को पचास साल के बाद होते थे, वे अब किशोरों व युवाओं को अपनी गिरफ्त में ले रहे हैं। हाल ही में एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मैगजीन ने खुलासा किया था कि कैसे भारत में पचास फीसदी लोग सप्ताह में जरूरी व्यायाम व सैर तक नहीं करते। निश्चित रूप से यह एक राष्ट्रीय संकट का प्रश्न है। जिसके चलते आने वाले दिनों में देश गैर संक्रामक रोगों की राजधानी बनने की ओर अग्रसर है। शिक्षकों के साथ अभिभावकों को भी छात्रों को स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक करना होगा।

कांवड़ यात्रा से पहले विवादास्पद फैसला

साहिल

कांवड़ यात्रा को लेकर पहले भी कई किस्म के धार्मिक पूर्वाग्रह देखे जा चुके हैं। जैसे कांवड़ यात्रा के लिए करीब 33 हजार पेड़ों को काटने का फैसला लिया गया, ताकि सड़क चौड़ी हो और श्रद्धालुओं को सुविधा हो।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुजफ्फरनगर और पश्चिमी यूपी के अन्य इलाकों में कांवड़ यात्रा मार्ग पर होटल, ठेले पर फल या अन्य खाने–पीने का सामान बेचने वाले लोगों से मालिक और कर्मचारियों के नाम लिखकर लगाने को कहा है। और कम से कम इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इस विवादास्पद फैसले को वापस नहीं लिया गया है। कांवड़ यात्रा को लेकर पहले भी कई किस्म के धार्मिक पूर्वाग्रह देखे जा चुके हैं। जैसे कांवड़ यात्रा के लिए करीब 33 हजार पेड़ों को काटने का फैसला लिया गया, ताकि सड़क चौड़ी हो और श्रद्धालुओं को सुविधा हो। जब पेड़ों के काटे जाने पर विरोध दर्ज कराया गया तब राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने उन इलाकों की सेटेलाइट तस्वीर मांगी, जहां पेड़ काटे गए। लेकिन इस कार्रवाई से हरियाली पर चली कुल्हाड़ी बेअसर तो नहीं हुई। इसी तरह कुछ समय पहले कांवड़ियों पर यूपी के एक डीजीपी ने सरकारी हेलिकॉप्टर से फूल बरसाए थे, जो सरासर प्रशासनिक दायित्व और नैतिकता का उल्लंघन था। सरकार और प्रशासन की ओर से लिए गए इन फैसलों को मानिसक दिवालियापन की श्रेणी में रखा जा सकता है। लेकिन अब जो फैसला लिया है, वह खुली चेतावनी दे रहा है कि भारत तेजी से नाजी दौर वाली जर्मनी के युग में धकेला जा रहा है। पाठकों को याद दिला दें कि जर्मन तानाशाह हिटलर के प्रचार मंत्री जोसेफ गोएबल्स ने मई 1938 में जर्मन यहूदियों के लिए श्सामान्य पहचान चिह्नश का सुझाव दिया था। जिसके बाद नाजी अधिकारियों ने 1939 और 1945 के बीच यहूदियों को पीले सितारे वाले बैज को लगाने का आदेश दिया था, ताकि उन्हें अलग से पहचाना जा सके और उनकी गतिविधियों पर नजर रखी जाए। जो यहूदी अपनी पहचान बताने वाले बैज को नहीं पहनता था, उसे अपमानित और दंडित किया जाता था। पहचान के नाम पर नागरिकों में भेद करने का जो काम सौ साल पहले जर्मनी में हुआ, क्या वैसे ही किसी कृत्य के लिए आज के भारत में कोई स्थान होना चाहिए, यह एक गंभीर सवाल है, जिस पर सभी लोगों को विचार करना चाहिए। वैसे उप्र पुलिस के इस आदेश की निंदा होनी शुरु हो चुकी है। अखिलेश यादव और असद्दुदीन ओवैसी जैसे नेताओं ने इसकी भर्त्सना की है। माननीय न्यायालय से यह अपेक्षा जतलाई गई है कि वह इस संबंध में स्वतः संज्ञान लेगी। हालांकि उप्र पुलिस ने इस फैसले के पक्ष में दलील दी है कि यात्रियों को शकिसी भी भ्रम से बचने के लिएश ये निर्देश कांवड़ यात्रा रूट के लिए खासतौर पर जारी किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि ऐसा इसलिए किया जा रहा है कि ताकि कांवड़ियों के बीच कोई भ्रम न हो और भविष्य में कोई आरोप न लगे, जिससे कानून व्यवस्था की स्थिति पैदा हो। पुलिस ने दावा किया कि हर कोई अपनी मर्जी से इसका पालन कर रहा है। एक लचर तर्क यह भी दिया गया है कि इस आदेश का इरादा किसी भी प्रकार का श्धार्मिक भेदभावश पैदा करना नहीं था, बल्कि केवल भक्तों को सुविधा देना था। पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि, श्अतीत में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां कांवड़ मार्ग पर सभी प्रकार के खाद्य पदार्थ बेचने वाले कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों का नाम इस तरह रखा, जिससे कांवड़ियों के बीच भ्रम पैदा हुआ और कानून–व्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई। अब सवाल यह है कि कानून व्यवस्था को बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस की है या दुकानदारों की। इस देश का संविधान किसी को भी अपनी मर्जी का नाम रखने से नहीं रोकता है, फिर चाहे वह संतान का नाम हो या दुकान का। और अगर धर्म का पालन करने के नाम पर कांवड़ लेकर निकल रहे लोगों में इतनी समझ और सहनशक्ति नहीं है कि वह किसी के नाम से ही आहत हो जाएं तो फिर उनके धार्मिक होने पर ही संदेह है। अगर किसी को दूसरे धर्म के लोगों से खाद्य सामग्री खरीदने में धर्मभ्रष्ट होने का खतरा दिखता है, तो फिर ऐसे संकुचित मानसिकता के लोगों को यह भी पता कर लेना चाहिए कि जिस सड़क पर वो चलेंगे, उसे बनाने वाले कौन से धर्म के थे, जिन कपड़ों को वे पहनेंगे, उसका धागा कहां से आया, जिस कांवड़ को वे ढोएंगे, उसे किस जाति, धर्म के लोगों ने बनाया। रास्ते में जिन शामियानों के नीचे वो आराम करने बैठेंगे या जिन लाउड स्पीकरों पर वे तेज आवाज में अपनी भक्ति का प्रदर्शन करेंगे, उसे किन लोगों ने बनाया है। केवल विधर्मी दुकानदारों से सामान न खरीद कर क्या होगा, धर्मांधता का पालन करना है तो फिर सारे मापदंडों के साथ करें। यह देखना दुखद है कि यह धर्मांधता अब राज्य प्रायोजित हो चुकी है।

हिन्दू धर्म बनाम आरएसएस का हिंदुत्व

राम पुनियानी

लोकसभा के हालिया (2024) चुनावों के परिणामों ने संसद को बहस और चर्चा का सार्थक मंच बना दिया है। वहां अब प्रतिपक्ष की आवाज भी सुनाई देती है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन पर हुई चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने भाषण में देश के समक्ष प्रस्तुत विभिन्न चुनौतियों और समस्यायों पर चर्चा की। उनके भाषण के एक हिस्से में उन्होंने हिन्दू धर्म की प्रकृति और चरित्र पर भी बात की। उनके भाषण का यह हिस्सा शायद सदन की कार्यवाही से विलोपित कर दिया गया है। राहुल गांधी ने कहा कि– हिन्दू धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। भारत, अहिंसा का देश है, भय का नहीं। हमारे सभी महापुरुषों ने अहिंसा का आचरण करने और भय पर विजय प्राप्त करने की बात कही है।श फिर, भाजपा सदस्यों की ओर इशारा करने हुए उन्होंने कहा, जो लोग स्वयं को हिन्दू कहते हैं, वे दिन–रात हिंसा और नफरत की बात करते हैं और असत्य बोलते हैं।श उसके बाद से राहुल के कथन के खिलाफ साधुओं ने कई विरोध प्रदर्शन किए और अहमदाबाद में कांग्रेस के कार्यालय पर हमला हुआ। संघ परिवार यह झूठ फैला रहा है कि राहुल ने सभी हिन्दुओं को हिंसक कहा है। राहुल ने इसके उलट यह साफ किया है कि उनकी दृष्टि में हिन्दू धर्म सत्य, अहिंसा और प्रेम पर आधारित है। संघ के नेता कह रहे हैं कि नेहरु से लेकर राहुल गांधी तक सभी की विचारधारा का जमीनी यथार्थ से कोई लेना–देना नहीं रहा है। उनके अनुसार, नेहरु–गांधी परिवार के सभी नेता केवल अपना वोट बैंक बचाने की जुगत में अल्पसंख्यकों से जुड़े मसले उठाते रहे हैं। इंडिया गठबंधन के कई नेताओं ने हिन्दू धर्म को मानवतावाद से जोड़ने के राहुल गांधी के प्रयास का समर्थन किया है। कई सालों से देश में हिन्दू धर्म और हिंदुत्व ये दोनों शब्द इस्तेमाल किये जा रहे हैं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि राहुल गांधी का हिन्दू धर्म ही उनका हिंदुत्व है। आरएसएस ने कर्ताधर्ता नेहरु की इसलिए भी आलोचना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा शुरू किये गए साम्प्रदायिकता विरोधी अभियान के निशाने पर आरएसएस था। वे नेहरु के इसलिए भी खिलाफ हैं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के हाथों सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन का विरोध किया है। संघ कहता है कि उसका हिंदुत्व, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुखर्जी के विचारों पर आधारित है। सच यह है कि संघ की विचारधारा का दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के विचारों से कोई लेना–देना नहीं हैं। संघ केवल उन दोनों के नामों का इस्तेमाल लर अपनी विचारधारा को स्वीकार्य बनाने की कोशिश कर रहा है। हिन्दू धर्म किसी पैगम्बर पर आधारित नहीं है और इसलिए उसकी अलग–अलग ढंग से व्याख्याएं की जाती रही हैं। हिन्दू धर्म के पवित्र ग्रंथों में शहिन्दूश नहीं है। वेदों, उपनिषदों, गीता और मनुस्मृति में कहीं भी यह शब्द नहीं है। इस शब्द का इस्तेमाल सिन्धु नदी के पश्चिम में रहने वाले इस विशाल नदी के पूर्व में रहने वालों के लिए प्रयुक्त करते थे। चूंकि वे स का उच्चारण ह करते थे इसलिए सिन्धु शब्द हिन्दू बन गया। अतरू हिन्दू शब्द का मूल अर्थ था सिन्धु नदी से लेकर समुद्र तक की भूमि पर रहने वाले सभी लोग। इस विशाल भूभाग में मुख्यतः वैदिक धर्म (जिसे हम ब्राह्मणवाद भी कह सकते हैं), आजीवक, तंत्र, नाथ, शैव, बौद्ध व जैन परम्पराएं प्रचलित थीं। बाद में जैन व बौद्ध धर्मों को छोड़कर, इन सभी परम्पराओं का मिश्रण हिन्दू धर्म कहलाने लगा। ब्राह्मणवाद के अलावा अन्य सभी परम्पराएं श्श्रमणश कहलाती थीं।ब्राह्मणवाद और श्रमणवाद में मुख्य अंतर यही था कि ब्राह्मणवाद में जाति प्रथा थी जबकि श्रमणवाद में नहीं थी। हिन्दू धर्म शब्द के उदय के बारे में इतिहासविद डी.एन. झा ने भारतीय इतिहास कांग्रेस, 2006, में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा था कि, श्यह बिलकुल सही है कि यह शब्द (हिन्दू), पूर्व–औपनिवेशिक भारत में प्रचलित था। मगर ब्रिटिश अध्येताओं ने 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की शुरुआत में इस शब्द का उपयोग करना शुरू किया और धीरे–धीरे यह व्यापक रूप से प्रयुक्त होने लगा। हिन्दू शब्द भारतीय उपमहाद्वीप के उन सभी रहवासियों के लिए प्रयुक्त किया जाता था जो मुसलमान, ईसाई, सिक्ख या जैन नहीं थे। चूंकि हिन्दू धर्म के कोई निश्चित ग्रन्थ और सिद्धांत नहीं थे इसलिए ब्राह्मणवादियों ने वेदों और मनुस्मृति को पवित्र ग्रन्थ घोषित कर दिया। हिन्दू धर्म की समझ में भी अंतर हैं। अम्बेडकर के दृष्टि में ब्राह्मणवाद और जाति प्रथा ने हिन्दू धर्म को जकड़ रखा है। यही कारण है कि उन्होंने मनुस्मृति का दहन किया। दूसरी ओर महात्मा गांधी स्वयं को सनातनी हिन्दू कहते थे। उन्होंने यंग इंडिया के 6 अक्टूबर 1921 के अंक में लिखा, हिन्दू धर्म सभी से कहता है कि वे अपनी–अपनी आस्था और धर्म के आधार पर ईश्वर की आराधना करें और इस प्रकार वह अन्य धर्मों के साथ शांतिपूर्ण सहअस्तित्व बनाये रख पाया है। यही तो बहुवाद है। यही तो अंतर्धार्मिक रिश्तों की बुनियाद होनी चाहिए. और अब राहुल गांधी ने कहा है कि सत्य, प्रेम और अहिंसा हिन्दू धर्म का मूल आधार हैं। हिंदुत्व शब्द को 1892 में चंद्रकांत बसु ने गढ़ा था और इसे आध्यात्मिक ऊंचाईयां अर्जित करने के आदर्शवादी लक्ष्य से जोड़ा था। राजनीति के सन्दर्भ में हिंदुत्व शब्द के इस्तेमाल की शुरुआत सावरकर ने अपनी पुस्तक एस्सेनशियल्स ऑफ हिंदूइस्म (1923) में इसे परिभाषित कर की थी। सावरकर का हिंदुत्व आर्य नस्ल, सिन्धु से समुद्र तक की पवित्र भूमि एवं ब्राह्मणवादी संस्कृति तक सीमित है। सावरकर, बौद्ध धर्म के अहिंसा के सिद्धांत के कड़े आलोचक थे और मानते थे कि बुद्ध द्वारा अहिंसा का प्रचार करने से ही भारत कमजोर बना। यह कहना इतिहास की गलत समझ पर आधारित है। उस समय आधुनिक अर्थ में भारत जैसा कोई राष्ट्र नहीं था। और अगर हम राजाओं के साम्राज्यों को राष्ट्र मानें तो हमें यह याद रखना चाहिए।

मेष :– बीती बातों को भूल वर्तमान में जीने का प्रयास करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा। बिना वजह दूसरों की पीठ पीछे आलोचना न करें। परिवार में खुशहाल स्थिति से मन प्रसन्न होगा।

बृषभ :– विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां संभव। जीविका क्षेत्र में नये आयाम उत्साहित करेंगे। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।

मिथुन :– किसी सहकर्मी के खराब व्यवहार से कष्ट संभव। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। पारिवारिक संबंधों में कटुता न आने दें। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाप संभव।

कर्क :– किसी विपरीतलिंगी संबंध के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित न हों। अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें क्योंकि आगे बहुत सारी सफलताएं मिलने वाली हैं।

सिंह :– अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों की मधुरता बढ़ेगी। रोजगार की समस्याओं को लेकर मन चिंतित होगा। किसी बड़ी यात्रा के प्रति मन उत्साहित होगा। असीम प्रतिभाओं के बावजूद असफल होंगे।

कन्या :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु उद्वेलित करेगी। दूसरों की आलोचना का असर मनोबल पर कतई न पड़ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला :– कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ आर्थिक प्रगति के लिए मन नई–नई युक्तियों पर केंद्रित होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी। योजनाएं फलीभूत होंगी।

वृश्चिक :–कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। नाजुक संबंधों में भावनात्मक तालमेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

धनु :– दूसरों की सफलता से अपने अंदर हीन भावना न पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर होगा तथा स्थान परिवर्तन का भी योग है। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकर :– रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता मिलने का योग है। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति में व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्यक्षेत्र में क्षमताओं का लाभ उठाएंगे।

कुंभ :– रोजगार क्षेत्र में मिल रहे नये अवसरों का लाभ उठाएंगे। आवेश में लिये गये निर्णय से हानि संभव। राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ेंगी। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

सर्वोच्च न्यायालय में मनी बिल को चुनौती

के रवींद्रन

जो परिभाषित करता है कि मनी बिल क्या होता है। धन विधेयक, सामान्य विधेयकों के विपरीत, राज्यसभा की स्वीकृति के बिना पेश और पारित किये जा सकते हैं, जिससे विपक्ष के प्रभुत्व वाले उच्च सदन की जांच ।

अगर आधार एक पैसे का मामला है, तो किसी भी चीज का मतलब कुछ भी हो सकता है। यह उन प्रमुख दुविधाओं में से एक होगी, जिस पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संवैधानिक पीठ विचार करेगी, जब वह विवादास्पद विधेयकों को आगे बढ़ाने में विधायी बाधाओं को दूर करने के लिए मोदी सरकार द्वारा मनी बिल वाले मार्ग के अनुचित इस्तेमाल के खिलाफ याचिकाओं पर विचार–विमर्श शुरू करेगी। मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने इस सप्ताह फैसला किया कि समय आ गया है कि विद्वान न्यायाधीश काम पर लग जाएं, क्योंकि पिछले साल अक्टूबर में जब से बेंच की घोषणा की गयी थी, तब से बेंच लगभग निष्क्रिय रही है। यह मुद्दा भारतीय संविधान की धारा110 की व्याख्या और अनुप्रयोग पर केंद्रित है, जो परिभाषित करता है कि मनी बिल क्या होता है। धन विधेयक, सामान्य विधेयकों के विपरीत, राज्यसभा की स्वीकृति के बिना पेश और पारित किये जा सकते हैं, जिससे विपक्ष के प्रभुत्व वाले उच्च सदन की जांच और संभावित अवरोध को प्रभावी ढंग से दरकिनार किया जा सकता है। सरकार ने आधार कानून को धन विधेयक के दायरे में लाने के लिए कमजोर वर्गों को प्रभावी सब्सिडी प्रदान करने के साधन के रूप में आधार की एक दूरगामी परिभाषा प्रदान की थी। लेकिन इसने व्यापक रूप ने लोगों को चौंका दिया था। विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों सहित आलोचकों का तर्क है कि सरकार संसदीय निगरानी से बचने और जल्दबाजी में कानून बनाने पर रोक लगाने के लिए राज्यसभा की भूमिका को कमजोर करने के उद्देश्य से धन विधेयक प्रावधान का दुरुपयोग कर रही है। उनका तर्क है कि धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत कई विधेयक संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं और राज्यसभा में विपक्ष को दरकिनार करने के लिए उन्हें गलत तरीके से वर्गीकृत किया गया है। उनका तर्क है कि यह प्रथा लोकतांत्रिक विचार–विमर्श और विधायी जांच के सिद्धांतों को नष्ट करती है जो मजबूत और अच्छी शासन व्यवस्था के लिए आवश्यक हैं। राज्यसभा में विधायी गतिरोध का सामना कर रही मोदी सरकार ने प्रमुख सुधारों और ऐतिहासिक कानूनों को आगे बढ़ाने के लिए तेजी से इस मार्ग की ओर रुख किया है। जहां तक भाजपा और मोदी सरकार का सवाल है, स्थिति एक कीचड़युक्त अतीत से और अधिक कीचड़ वाले भविष्य की ओर इशारा करती है। राज्यसभा में भाजपा की ताकत घटकर 86 रह गयी है, जिससे एनडीए की विधायी क्षमता प्रभावित हुई है। अन्य सहयोगियों को शामिल करने पर, ताकत बढ़कर केवल 101 रह जाती है। इसका उच्च सदन में विवादास्पद विधेयकों के पारित होने पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, सरकार को लगातार राज्य चुनावों के बाद बढ़ते विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जहां विपक्षी दलों ने अपनी सीटों की संख्या में वृद्धि के साथ बढ़त हासिल की है। कम ताकत और महत्वपूर्ण मुद्दों पर बढ़ती विपक्षी एकता के साथ, सरकार को विवादास्पद तरीकों का सहारा लिए बिना विधायी जनादेश हासिल करने में एक कठिन कार्य का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकारी आदेशों और अध्यादेशों के माध्यम से शासन की प्रभावकारिता और वैधता पर भी इस संदर्भ में सवाल उठाये गये हैं, जिससे लोकतांत्रिक शासन और संसदीय जवाबदेही के बारे में चिंताएं बढ़ गयी हैं। विभिन्न हितधारकों द्वारा दायर याचिकाओं में धन विधेयक लेबल के तहत पारित विधेयकों की वैधता पर सवाल उठाया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इस तरह का वर्गीकरण मनमाना था और राज्यसभा में बहस और संशोधन से बचने के लिए बनाया गया था। ये याचिकाएँ विशिष्ट विधायी उदाहरणों को उजागर करती हैं, जहां कराधान और वित्त से संबंधित विवादास्पद विधेयकों को वित्तीय मामलों से परे उनके व्यापक निहितार्थों के बावजूद धन विधेयक के रूप में पारित किया गया। सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष कानूनी चुनौती केवल संवैधानिक प्रावधानों की तकनीकी व्याख्या के बारे में नहीं है, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए व्यापक निहितार्थों के बारे में भी है। यह कार्यपालिका और विधायी शाखाओं के बीच शक्तियों के संतुलन और संवैधानिक सिद्धांतों को बनाये रखने में न्यायिक निगरानी की भूमिका के बारे में मौलिक प्रश्न उठाता है। इन चुनौतियों के जवाब में, सरकार ने विधायी गतिरोध को दूर करने और महत्वपूर्ण सुधारों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपकरण के रूप में धन विधेयक मार्ग के अपने उपयोग का बचाव किया है। यह तर्क देता है कि विधेयकों को धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत करना कानूनी सलाह और संसदीय परम्परा के अनुसार किया गया था, जो आर्थिक और राजकोषीय नीति के मामलों में शीघ्र निर्णय लेने की आवश्यकता पर बल देता है।

इन याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम फैसले का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है क्योंकि इसमें भविष्य की विधायी प्रथाओं और संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्या के लिए एक मिसाल कायम करने की क्षमता है। तात्कालिक कानूनी निहितार्थों से परे, इस मामले का भारत के लोकतांत्रिक शासन, न्यायिक स्वतंत्रता और सरकार की विभिन्न शाखाओं के बीच शक्ति संतुलन पर व्यापक प्रभाव है।

श्रुति सेठ

प्रकाश झा की 'राजनीति' में अर्जुन रामपाल के साथ जैसे सीन मैंने दिए, फिर वैसे ही रोल मिलने लगे थे

साफ–सुथरी इमेज के लिए जानी जाने वाली ऐक्ट्रेस श्रुति सेठ इस वक्त अपने नए शो श्36 डेजश को लेकर खबरों में हैं जो क्राइम थ्रिलर सीरीज है। श्रुति सेठ ने नवभारत टाइम्स से बातचीत में कहा कि इस फिल्म में अर्जुन रामपाल के साथ दिए सीन के बाद से उन्हें वैसे ही रोल मिलने लगे। साफ–सुथरी इमेज के लिए जानी जाने वाली श्रुति सेठ श्36 डेजश को लेकर चर्चा में हैं उन्होंने बताया कि प्रकाश झा की फिल्म श्राजनीतिश के चलते उन्हें वैसे ही रोल मिलने लगे उन्होंने बताया कि अर्जुन रामपाल के साथ किए उस सीन की वजह से क्या कुछ झेलना पड़ा अपनी प्यारी सी मुस्कान और साफ–सुथरी इमेज के लिए जानी जाने वाली ऐक्ट्रेस श्रुति सेठ इन दिनों अपनी क्राइम थ्रिलर सीरीज श्36 डेजश को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, इससे पहले श्रुति प्रकाश झा की फिल्म श्राजनीतिश में अपने बोल्ड रोल से भी सबको चौंका चुकी हैं। हाल ही में श्रुति ने हमसे उस रोल के चलते हुई दिक्कत से लेकर श्शरारतश के सीक्वल तक पर खुलकर बातचीत की।छोटे पर्दे पर श्शरारतश, श्बालवीरश और श्कॉमेडी सर्कसश जैसे फैमिली शोज का हिस्सा रहीं स्वीट–सिंपल और साफ–सुथरी इमेज वाली ऐक्ट्रेस श्रुति सेठ ने साल 2010 में आई प्रकाश झा की फिल्म श्राजनीतिश में अपने बोल्ड अवतार से सबको चौंका दिया था। हालांकि, वह श्रुति के लिए वह रोल न केवल बेहद मुश्किल था, बल्कि उसके चलते उन्हें बोल्ड रोल में ही टाइकास्ट कर दिया गया।

श्उस सीन को लेकर मैं और अर्जुन दोनों नर्वस थेश श्रुति ने कहा, श्राजनीति के बाद मैं वैसी ही भूमिकाओं में टाइपकास्ट हो गई। मुझे बहुत सारे वैसे ही रोल ऑफर होने लगे कि मैम इसमें बहुत बोल्ड सीन हैं। जबकि, राजनीति करने की मेरी अलग कई वजहें थीं। एक तो मैं प्रकाश झा की फिल्मों की फैन रही हूं तो उनके साथ काम करना मेरी खुशनसीबी थी। फिर, एक ऐसी सत्ता की लालची पॉलिटिकल वर्कर जो टिकट के लिए कुछ भी करने को तैयार है, वह रोल भी मेरे लिए बहुत चौलेंजिंग था। मुझे याद है, मैंने अर्जुन रामपाल के साथ वो जो (अंतरंग) सीन किया था, उसे करने से पहले इतनी नर्वस थी कि पूरी रात सो नहीं पाई थी कि वो कैसा दिखेगा, सही से शूट होगा या नहीं, पर बाद में मुझे पता चला कि मुझसे ज्यादा नर्वस अर्जुन थे। वे कई रातों तक नहीं सो पाए थे। हम दोनों के लिए वह सीन बहुत मुश्किल था लेकिन प्रकाश झा ने उसे ऐसे शूट किया कि वह जितना संभव हो, रियल लगे पर खराब न लगे और हम दोनों ऐक्टर्स सहजता से उसे कर सकें। मगर उस फिल्म के बाद मुझे बहुत ऐसे रिएक्शन मिले कि ओह माय गॉड ये तुमने क्या कर दिया और फिर तीन साल तक वैसे ही किरदार मिलते रहे जिसमें बोल्ड सीन थे। मुझे लोगों को बोलना पड़ा कि मैंने उसे बोल्ड सीन के लिए नहीं किया था, फिल्म के लिए किया था। अगर कोई सीन फिल्म के लिए जरूरी है, उसे दिशा दे रहा है तो हर ऐक्टर खुशी से वो करेगा लेकिन अगर वो जबरस्ती सिर्फ ऑडियंस को रिझाने के लिए डाला गया हो कि एक बिकीनी का या किस सीन डाल दो तो वो मैं नहीं करूंगी।श

ओटीटी पर शुरू हुई दूसरी पारी

इन दिनों क्राइम थ्रिलर सीरीज श्36 डेजश के चर्चा बटोर रहीं श्रुति बहुत चुनिंदा काम क्यों करती हैं? इसपर उन्होंने कहा, श्मुझे काम नहीं मिलता, इसलिए। जितना मिलेगा उतना ही तो करूंगी। वैसे, मुझे लगता है कि ओटीटी की वजह से मैं अभी काफी काम कर रही हूं। जैसे, फॉरगॉटेन आर्मी, ब्लडी ब्रदर्स, दिल दोस्ती डिलेमा, 36 डेज जैसा क्राइम थ्रिलर जॉनर भी मैंने एक्सप्लोर नहीं किया था तो मैं इसे अपनी दूसरी पारी कहूंगी। मुझे लगता है कि मैंने टीवी पर जो शो किए, उससे बाकी चीजें दब गईं, क्योंकि वो ज्यादा दिखे हैं, ज्यादा चले भी हैं। कई सालों तक कई सीजन में। जैसे शरारत चार साल चला था। स्वीट लाइफ ऑफ करण ऐंड कबीर तीन सीजन तक चला। कॉमिडी सर्कस के लगभग 17 सीजन चले, उस वजह से जो मैं ओटीटी पर कर रही हूं वो इतना पता नहीं चलता।श

आज के दौर में श्शरारतश शायद ही चले

श्रुति के हिट सिटकॉम श्शरारतश को वापस लाने की चर्चा भी अक्सर चलती रहती है। इस बारे में श्रुति का कहना है, श्लोग बोलते रहते हैं शरारत का दूसरा सीजन लाओ। वहीं, हम तो मरने को तैयार ही नहीं हैं। हम जब तक शरारत का दूसरा सीजन नहीं कर लेंगे तब तक जिंदा रहेंगे (हंसती हैं) पर सच कहूं तो शरारत उस वक्त के दर्शकों के लिए बहुत खास था, अब वक्त बदल चुका है। मुझे नहीं पता कि आज के दर्शक उसे वो प्यार देंगे या नहीं। लोग बोलते हैं कि हम देखेंगे, लेकिन मुझे लगता नहीं है कि अभी लोगों की सोच वैसी रही है। आज की ऑडियंस के पास इतने ज्यादा माध्यम हैं। इतना सारा कॉन्टेंट हैं देखने के लिए। उस वक्त केवल चार चौनल थे तो वो शो उस समय बहुत पॉप्युलर था। आज उस तरह का और उससे कहीं बेहतर फैंटेसी जॉनर में फिल्में और शोज आ चुके हैं तो मुझे पता नहीं है कि वो अब उस तरह का असर छोड़ पाएगा या नहीं।श

इमरान हाशमी ने की अपनी लव लाइफ पर बात

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी ने अपनी लव लाइफ पर बात की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया है कि पत्नी परवीन शाहनी से उनकी शादी में कितनी मुश्किलें आई थीं। इमरान ने कहा है कि उनकी पत्नी के घरवाले इस शादी के खिलाफ थे क्योंकि वो उनकी सीरियल किसर की इमेज से बिल्कुल खुश नहीं थे। परवीन के घरवालों को पसंद नहीं थे इमरान शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में पहुंचे इमरान ने कहा कि उनकी पत्नी परवीन ने सुख–दुख में उनका बहुत साथ दिया है। वो तब भी उनके साथ खड़ी रहीं जब उनके पास फूटी कौड़ी नहीं थी। इमरान ने कहा, श्परवीन मुझे बहुत डांटती थीं लेकिन वो बहुत अंडरस्टेंडिंग भी थीं। अगर वो मुझे नहीं समझतीं तो मैं इस तरह के रोल नहीं कर पाता। हमारे रिश्ते के शुरुआती दौर में उनके परिवार को मुझसे बहुत दिक्कत थी। मेरी सीरियल किसर की बहुत ही स्ट्रॉन्ग इमेज थी। परवीन के घरवाले ये बात सुनकर चौंक गए थे कि वो इमरान हाशमी से शादी करना चाहती हैं? मैं उनके दूर के रिश्तेदारों की बात कर रहा हूं जो मुझसे कभी नहीं मिले थे। काफी मनाने के बाद आखिरकार हमारी शादी हो गई। हम 18 साल से साथ हैं।

तृप्ति डिमरी के बारे में बोले को–स्टार सिद्धांत चतुर्वेदी

'पहले लोग चाय तक नहीं पूछते थे, 'एनिमल' की रिलीज के बाद सब बदल गया'

रणबीर कपूर स्टारर 'एनिमल' में जोया का रोल निभाकर फेमस हुईं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म 'धड़क 2' है। इस फिल्म में उनके अपोजिट 'गली बॉय' फेम सिद्धांत चतुर्वेदी नजर आएंगे। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में सिद्धांत ने बताया कि 'एनिमल' की रिलीज के बाद से तृप्ति की लाइफ में काफी चेंज आया है। एक्टर ने यह भी बताया कि वो और तृप्ति फिल्म की शूटिंग से वक्त निकालकर साथ में श्एनिमलश का शो देखने गए थे। 'लैला–मजनू' के लिए शॉर्टलिस्ट हो गए थे सिद्धांत सिद्धार्थ कानन को दिए एक इंटरव्यू में सिद्धांत ने बताया, 'मैं तृप्ति को काफी पहले से जानता हूं। हम 2018 में आई फिल्म 'लैला मजनूं' में साथ काम करने वाले थे। मुझे इस फिल्म के लिए शॉर्टलिस्ट कर लिया गया था। हालांकि, बाद में यह रोल अविनाश तिवारी को मिल गया। तब हम साथ काम करते–करते रह गए थे पर फाइनली अब हमने साथ में 'धड़क 2' पर काम किया है।' फिल्म श्धड़क 2श का टीजर रिलीज हो चुका है। यह इस साल नवंबर में रिलीज होगी। 'एनिमल' के बाद लोगों के बर्ताव में आया फर्क को–एक्ट्रेस तृप्ति के बारे में बात करते हुए सिद्धांत ने एक किस्सा शेयर किया। सिद्धांत ने कहा, 'एनिमल' की सक्सेस के बाद कृति को सेट पर ही लोगों ने गजब का रिस्पॉन्स देना शुरू कर दिया था। मैंने अपने सामने उनके प्रति लोगों की फितरत बदलते देखी है। वो रोज चाय मांगती थी, कोई सुनता नहीं था पर 'एनिमल' की सक्सेस के बाद लोग खुद आकर पूछने लगे कि मैडम कौन सी चाय दूं? – मसाला चाय, ग्रीन टी या कोई और? वहीं जब सिद्धांत से पूछा गया कि कहीं उन्हें तृप्ति पर क्रश तो नहीं ? तो सिद्धांत ने कहा– 'वो बहुत ही स्वीट और कमाल की इंसान है।

लेकिन मेरा एक नियम है कि जहां मैं काम करता हूं वहां पर दिल नहीं लगाता।' फिल्म श्बैड न्यूजश में तृप्ति और विक्की की कैमिस्ट्री लोगों को पसंद आ रही है। 'बैड न्यूज' में विक्की के साथ नजर आएंगी तृप्ति वर्कफ्रंट पर तृप्ति की अगली फिल्म 'बैड न्यूज' है जिसमें वो विक्की कौशल और एम्मी विर्क के साथ नजर आएंगी। फिल्म के ट्रेलर और गानों में तृप्ति और विक्की की जबरदस्त कैमिस्ट्री नजर आ रही हैं। फिल्म 19 जुलाई को रिलीज होनी है। इस फिल्म के बाद तृप्ति, सिद्धांत के साथ 'धड़क 2' में नजर आएंगी। यह इस साल 22 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी।

खास दोस्तों संग कैजुअल पार्टी

जैकी भगनानी के घर हुई यह पार्टी दोस्तों के कैजुअल गेट–टुगेदर जैसी थी। इसलिए बहुत ज्यादा चमक–दमक से दूर सारे मेहमान कैजुअल लुक में ही नजर आए।

जैकी ने रैपर Ckay का गर्मजोशी से किया स्वागत

जैकी ने पार्टी में सिंगर सीकेय का बड़ी गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। दोनों ने इस दौरान ब्लैक ऑउटफिट्स पहन रखे थे। जैकी ने काली जींस और काले जूतों के साथ काली टी–शर्ट पहन रखी थी, जबकि सिंगर Ckay भी ब्लैक पैंट्स के साथ मेटालिका की हुडी और व्हाइट स्नीकर्स में रॉक कर रहे थे।

अनन्या पांडे की क्यूट अदाएं

पार्टी में अनन्या पांडे भी बेहद कैजुअल लेकघ्नि क्यूट अंदाज में पहुंची थीं। ब्लैक बेलबॉटम जींस के साथ उन्होंने ब्लैक क्रॉप टॉप पहन रखा था।

कई लोगो को मीठा खाना इतना पसंद होता हैं, कि वे हर समय मीठा खाने के लिए तैयार रहते है। कुछ ऐसे भी लोग हैं जो सुबह उठ कर सबसे पहले मीठा ही खाते है। ज्यादा मीठा खाना किसी के लिए भी नुकसानदायक है। मीठा खाने से वजन बढ़ने की समस्या, डिप्रेशन और स्किन से जुड़ी परेशानी शुरू होती है । ज्यादा मीठा खाने से शरीर में सोडियम और पोटेशियम का जो नेचुरल बैलेंस होता है वह बिगड़ जाता है।

एक्ने होने का डर

जरूरत से ज्यादा मीठा एक्ने की वजह भी बन सकता है। दरअसल, मीठा खाने से शरीर में इंसुलिन नामक हार्मोन बढ़ जाता है, जिससे एक्ने की समस्या बढ़ जाती है। एक्ने होने की वजह से त्वचा पर बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। खासतौर पर डायबिटीज के मरीजों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है।

उम्र से ज्यादा दिखने की समस्या

अगर आप उन लोगों में से हैं, जो जरूरत से ज्यादा मीठा खाते हैं, तो इसकी वजह से आपको असमय ही एजिंग की समस्या हो सकती है। दरअसल, चीनी की वजह से स्किन में झुर्रियां आ जाती है , जिससे समय से पहले ही उम्र बढ़ने लगती है।

डार्कनेस होने की समस्या

पिंपल और पिगमेंटेशन के अलावा कुछ लोगों को ज्यादा मीठा खाने से डार्कनेस की समस्या भी होने लगती है। यह समस्या होने पर यह ठीक भी नहीं होती है। अगर आपको भी अपने चेहरे पर ऐसी ही कोई समस्या नजर आ रही है, तो मीठा खाने से परहेज करें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

भारत समेत दुनिया भर में फेफड़ों के कैंसर यानी लंग कैंसर से मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। फेफड़े के कैंसर को अक्सर धूम्रपान करने वालों की बीमारीष माना जाता है, हालांकि इसकी चपेट में वो लोग भी आ रहे हैं जो धूम्रपान नहीं करते हैं। वैसे तो लंग कैंसर का खतरा 65 की उम्र के बाद देखा जाता है लेकिन आजकल 45 से कम उम्र वाले भी इसका शिकार हो रहे हैं।

दो प्रकार का होता है कैंसर

फेफड़ों का कैंसर तब होता है जब एक या दोनों फेफड़ों के ऊतकों में असामान्य कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़ती हैं। फेफड़ों के कैंसर के दो मुख्य प्रकार हैंरू लघु कोशिका फेफड़ों का कैंसर (एससीएलसी) और गैर–लघु कोशिका फेफड़ों का कैंसर (एनएससीएलसी) ए एनएससीएलस स्थानीय स्तर पर फेफड़ों के कैंसर के सभी मामलों में से लगभग 87.3 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है और इसे कोशिका के प्रकार और उत्परिवर्तन के आधार पर उपप्रकारों में वर्गीकृत किया गया है।

48 प्रतिशत मरीजों ने नहीं की स्मोकिंग

ऐसा बिल्कुल जरूरी नहीं है कि जो लोग स्मोकिंग करते हैं, सिर्फ उन्हें लंग कैंसर का खतरा रहता है, बल्कि जो स्मोक करने वाले लोगों के साथ उठते–बैठते हैं उन्हें भी पैसिव स्मोकिंग की वजह से लंग कैंसर हो सकता है। 2018 में किए गए एक स्थानीय अध्ययन में पाया गया कि फेफड़ों के कैंसर के 48 प्रतिशत मरीज कभी धूम्रपान नहीं करने वाले थे – ऐसे व्यक्ति जिन्होंने कभी ध ूम्रपान नहीं किया या अपने जीवनकाल में 100 से कम सिगरेट पी हैं।

सेकेंड हैंड स्मोक से ज्यादा खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि सेकेंड हैंड स्मोक में लगभग 60 कैंसर पैदा करने वाले रसायन होते हैं जबकि अन्य अध्ययनों का अनुमान है कि निष्क्रिय धूम्रपान से फेफड़ों के कैंसर का जोखिम लगभग 25 प्रतिशत बढ़ जाता है। सेकेंडहैंड स्मोकिंग का मतलब तंबाकू उत्पादों को जलाने से निकलने वाले धुएं में सांस लेने से है। मतलब अगर आपके साथी धूम्रपान करते हैं और उससे निकलने वाले धुएं में आप सांस ले रहे हैं तो इसके कारण भी आपमें कैंसर का खतरा हो सकता है।

ना करें लक्षणों को नजरअंदाज

फेफड़े का कैंसर, खास तौर पर अपने शुरुआती चरणों में, लक्षण पैदा नहीं कर सकता है। कई सामान्य समस्याएं, जैसे कि खांसी जो ठीक नहीं होती, अन्य चिकित्सा स्थितियों के कारण हो सकती हैं। हालांकि, पुरानी खांसी को किसी पिछले संक्रमण के प्रभाव के रूप में नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। फेफड़े के कैंसर के अन्य लक्षणों में खून से सना हुआ थूक, सांस लेने में तकलीफ, बार–बार छाती में संक्रमण, थकान, स्वर बैठना और अनैच्छिक वजन घटना शामिल हो सकते हैं। कुछ मामलों में, व्यक्तियों को कंधे की नोक में दर्द और चेहरे पर सूजन या छाती में दर्द का अनुभव हो सकता है जो सांस लेने के साथ बढ़ जाता है। इन लक्षणों का अनुभव करने वाले किसी भी व्यक्ति से तुरंत चिकित्सा परामर्श लेने का आग्रह किया जाता है।

गर्मियों में हम सभी ऐसा स्किन प्रोडक्ट चाहते हैं, जो हमारी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ ही एक्स्ट्रा तेल को भी रोक लें। ऐसे में ऑयली स्किन की समस्या से बचने के लिए हम आपको तीन जेल फेस मास्क के बारे में बताने जा रहे हैं।

हम सभी हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं। लेकिन गर्मियों में पसीने की चिपचिपाहट किसी को पसंद नहीं होती है। ऐसे में गर्मियों में हम सभी ऐसा स्किन प्रोडक्ट चाहते हैं, जो हमारी त्वचा को ठंडक पहुंचाने के साथ ही एक्स्ट्रा तेल को भी रोक लें। हालांकि गर्मी के मौसम में स्किन केयर के लिए बाजार में आपको बहुत सारे प्रोडक्ष्ट्स मिल जाएंगे। लेकिन इनमें केमिकल की मात्रा भी होती है।

ऐसे में आप गर्मियों में त्वचा की चिपचिपाहट को कम करने के लिए नेचुरल तरीके अपना सकते हैं। ऐसे में ऑयली स्किन की समस्या से बचने के लिए हम आपको तीन जेल फेस मास्क के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप आसानी से घर पर बनाकर अपने फेस पर अप्लाई कर सकती हैं।

एलोवेरा और पपीते का फेस पैक सामग्री

एलोवेरा जेल– 1 बड़ा चम्मचपपीते का पल्प– 1 छोटा चम्मच

विटामिन–ई कैप्सूल– 1

ऐसे बनाएं फेस पैक

एक कटोरी में एलोवेरा जेल, पपीते का पल्प और विटामिन–ई कैप्सूल निकाल लें। अब इस मिश्रण को अपने फेस पर 25 मिनट के लिए अप्लाई करें। फिर चेहरे को पानी से धो लें। आप रोजाना दिन में एक बार इस फेस पैक को लगा सकती हैं। इससे आपकी स्किन पर सीबम का प्रोडक्शन कम होता और फेस पर एक्स्ट्रा ऑयल भी नहीं बनेगा। वहीं अगर आपकी त्वचा ग्लोइंग नहीं है और दाग–धब्बे हैं, तो यह इन समस्याओं को भी दूर करने में कारगर है।

चिया सीड्स और केले का फेस पैक सामग्री

चिया सीड्स– 1 छोटा चम्मच

केले का पल्प– 1 बड़ा चम्मच

ऐसे बनाएं फेस पैक

सबसे पहले चिया सीड्स को रातभर के लिए पानी में भिगो दें। फिर अगली सुबह इन्हें पानी से निकाल लें और इसमें केले का पल्प मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने फेस पर अप्लाई करें और फिर 20 मिनट बाद नॉर्मल पानी से चेहरा साफ कर लें। दिन में एक बार इस फेस पैक को लगाने से आपको जल्द ही अच्छा रिजल्ट देखने को मिलेगा। बता दें कि यह एक एंटी एजिंग फेस पैक है। जो आपकी स्किन में कसाव लाता है।

गुलाब जल और नींबू का फेस पैक सामग्री

नींबू के छिलके का जेल– 1 बड़ा चम्मच

गुलाब जल– 1 छोटा चम्मच

ऐसे बनाएं फेस पैक

सबसे पहले नींबू के छिलकों को अच्छे से उबाल लें, ताकि यह जेल के फॉर्म में आ जाएं। इसके बाद इसमें गुलाब जल मिक्स करें और फिर इसको अपने फेस पर अप्लाई करें। बता दें कि नींबू में विटामिन सी की पर्याप्त मात्रा पायी जाती है। जो स्किन में आने वाली चिकनाहट को दूर करता है। आप सप्ताह में एक बार इस फेस पैक को लगाएं। आप चाहें तो नींबू के छिलके का जेल बनाकर इसको कांच की शीशी में भी स्टोर कर सकती हैं। इस फेस पैक को लगाने से आपकी स्किन पर गजब का ग्लो आएगा और साथ ही स्किन की रंगत भी निखर जाएगी।

आप नींबू के छिलकों को बतौर क्लीनिंग स्क्रब भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप उन्हें धूप या ओवन में तब तक सुखाएं, जब तक कि वे क्रिस्पी ना हो जाएं। अब आप स्क्रब बनाने के लिए उन्हें बारीक पीस लें। अब इस पाउडर को बेकिंग सोडा और थोड़े से पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें।

हम सभी अपने घर को साफ–सुथरा और चमचमाता हुआ देखना चाहते हैं और इसके लिए मार्केट में मिलने वाले महंगे–महंगे क्लीनर पर पैसे खर्च करने से भी गुरेज नहीं करते हैं। लेकिन ये क्लीनर ना केवल आपकी जेब पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं, बल्कि इनमें कई तरह के केमिकल्स का इस्तेमाल भी किया जाता है, जो कहीं ना कहीं आपको काफी नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि आप एक बजट फ्रेंडली और नेचुरल तरीका अपनाएं। इसके लिए नींबू के बेकार समझे जाने वाले छिलकों की मदद ली जा सकती है। नींबू के छिलके एक बेहतरीन क्लीनर साबित हो सकते हैं। आप इसे कई अलग–अलग तरीकों से काम में ला सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में–

नींबू के छिलके से बनाएं क्लीनिंग स्क्रब

आप नींबू के छिलकों को बतौर क्लीनिंग स्क्रब भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप उन्हें धूप या ओवन में तब तक सुखाएं, जब तक कि वे क्रिस्पी ना हो जाएं। अब आप स्क्रब बनाने के लिए उन्हें बारीक पीस लें। अब इस पाउडर को बेकिंग सोडा और थोड़े से पानी के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। आप इस पेस्ट का इस्तेमाल सिंक, नल और बाथटब के दाग आदि को क्लीन करने के लिए कर सकते हैं।

नींबू के छिलके और सिरके से बनाएं क्लीनर

आप नींबू के छिलकों की मदद से एक बेहतरीन क्लीनर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आप नींबू के छिलकों से एक कांच का जार भरें। छिलकों पर सफेद सिरका डालें जब तक कि वे पूरी तरह से डूब न जाएं। जार को सील करें और इसे 1–2 सप्ताह तक ठंडी, अंधेरी जगह पर रखें। अब इसे छानकर एक स्प्रे बोतल में डालें। उतनी ही मात्रा में पानी डालकर इसे डायलूट करें। आपका क्लीनर तैयार है। आप इसे काउंटरटॉप, कांच और स्टेनलेस स्टील जैसी सतहों को साफ करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

माइक्रोवेव को करें क्लीन

अगर आपके घर में माइक्रोवेव है तो आप उसे क्लीन करने के लिए नींबू के छिलकों का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप नींबू के छिलकों को पानी से भरे माइक्रोवेव–सेफ बाउल में रखें। 3 मिनट के लिए हाई पर माइक्रोवेव करें, जिससे भाप माइक्रोवेव के अंदर जमी गंदगी को नरम कर दे। अब इसे साफ करने के लिए अंदर के हिस्से को नम कपड़े से पोंछें।

एक पेड़ माँ के नाम

प्रतापगढ़ ।पेड़ लगाओ –पेड़ बचाओ वृक्षारोपण जन अभियान–2024 के तहत क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम की कोठी प्रतापगढ में संस्थान की आचार्य मंजू देवी वर्मा ने सभी कर्मचारियों के साथ पौधारोपण किया स अपने अधीनस्थो को

अभियान की सफलता का मंत्र देते हुए आचार्य मंजू देवी ने कहा कि भूमंडल का ताप सिर्फ हरी भरी धरती ही कम कर सकती है इसलिए आप सभी स्वयं भी वृक्ष लगाएं साथ ही अपने मित्रों रिश्तेदारों को भी अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करें ।'पेड लगाओ पेड बचाओ अभियान 2024 के अन्तर्गत क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम की कोठी मे फलों का पेड लगाया गया। जिसमें सहजन, अमरूद, करौंदा, आंवला, बेल, आम, आदि पेड लगाये गये स इस अवसर पर आचार्य मंजू देवी के साथ प्रवीण शुक्ल पी के वर्मा सौरभ सिंह पी के वर्मा जे पी चौधरी गौरी शंकर पटेल विजय कुमार यादव आदि उपस्थित रहेस

वृक्ष परमार्थ के जीवन्त प्रतीक हैं:मनीष

करछना। समाज को अपनी बहुउपयोगी सेवा देकर हमारी प्रकृति के साथ–साथ मनुष्य के जीवन में परोपकारी वृक्षों का बहुत ही महत्व है। वृक्ष पृथ्वी पर सच्चे परमार्थ के जीवन्त प्रतीक हैं ।हम सबको चाहिए कि हम इन्हें संजोकर तैयार करें और यज्ञ के समान फल प्राप्त करें। यह बातें क्षेत्र की रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में पौधारोपण के दौरान प्रधानाचार्य मनीष

तिवारी ने कही। शिक्षकों ने भी बच्चों से अपने घर के आसपास या बगीचों में कम से कम एक पौधा लगाने पर जोर देते हुए समाज के लोगों को भी जागरूक करने पर बल दिया। बच्चों ने भी परिसर में कई पौधे लगाकर पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचने का संकल्प लिया। इस दौरान इमली, आंवला,शहतूत समेत कई छायादार पौधों का रोपण किया गया ।पौध रोपण कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक कर्मचारी और बच्चे मौजूद रहे।

विधानसभा सत्र 29 से, हंगामेदार होने के आसार

विपक्ष के निशाने पर होगी सरकार, सरकार भी जवाब देने को तैयार

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश विधानसभा का सत्र 29 जुलाई से शुरू होगा। विधानसभा सचिवालय ने कल आधिकारिक घोषणा कर दी है। विधानसभा सत्र को लेकर तैयारियां शुरू कर हैं। विधानसभा के मानूसन सत्र के काफी हंगामेदार रहने के आसार है। विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए कमर कस ली है। संसद सत्र में सपा ने मोदी सरकार पर जमकर प्रहार किया था, अब यहा सपा योगी सरकार को निशाने पर लेगी। सरकार ने विपक्ष को जवाब देने के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनावों के बाद उत्तर प्रदेश में विधानसभा का यह पहला सत्र होगा। चुनाव में समाजवादी पार्टी ने 37 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि भाजपा गठबंधन 34 सीटें जीत पाया, जो बीते लोकसभा चुनाव 2019 से काफी कम है। लोकसभा चुनाव 2014 में भारतीय जनता पार्टी गठबंधन ने 73 और 2019 के चुनाव में 64 सीटों पर जीत हासिल की थी। समाजवादी पार्टी की बढ़ती ताकत और लोकसभा चुनाव में बंपर जीत का असर विधानसभा सत्र के दौरान देखने को मिलेगा। समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी दल कई मुद्दों को लेकर आक्रामक दिखाई देगा। किसान, बेरोजगारी, जातीय जनगणना, पेपर लीक अपराध के मुद्दे योगी सरकार को घेरने की कोशिश होगी। सत्ता पक्ष ने विपक्ष के मुद्दों से निपटने के लिए खास रणनीति तैयार कर ली है। अभी नेता प्रतिपक्ष कौन होगा, इसे लेकर अभी संशय बरकरार है। विधानसभा सत्र में कौन नेता प्रतिपक्ष होगा, अभी तय नही। सदन में अभी तक नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव थे, लेकिन वह कन्नौज सीट से सांसद बन गए हैं। उन्होंने करहल विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। समाजवादी पार्टी ने अभी तक नए नेता प्रतिपक्ष को नहीं चुना है ।सदन शुरू होने से पहले ही नेता प्रतिपक्ष चुना जा सकता है। सूत्रों की माने तो पार्टी में नेता प्रतिपक्ष के लिए सबसे बड़ा नाम शिवपाल यादव का है। वह 2009 से 2012 तक नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। माना जा रहा है कि परिवारवाद का आरोप झेल रही सपा शिवपाल को नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाएगी। सपा के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज का नाम नेता प्रतिपक्ष की रेस में है। वर्तमान में विधानसभा में विपक्ष के उपनेता सदन हैं। वह पासी जाति से आते हैं। वह सपा के पीडीए फॉर्मूले में भी फिट बैठते दिखाई दे रहे हैं ।इसके अलावा रामअचल राजभर को भी नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सकता है। वह पिछड़ा वर्ग से आते हैं। उनकी सभी जातियों में अच्छी पकड़ भी मानी जाती है।

पुलिस प्रशासन कार्यकर्ताओं का कर रहा है उत्पीड़न

दो बार हत्या की मिल चुकी है धमकी : निषाद

लखनऊ,(एजेंसी)। चौरी चौरा विधायक ई. सरवन निषाद ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के पिछड़ा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपक कुमार जायसवाल के साथ चौरी चौरा पुलिस का व्यवहार घोर निंदनीय और मनमानी पूर्ण रवैया है। राजनीति में मुकदमे दर्ज होते हैं इसका यह मतलब नहीं है कि वह अपराधी है और चौरी चौरा पुलिस ने जो दुर्व्यवहार किया है वह सरासर गलत है। कार्यालय में घुसकर एक सम्मानित व्यक्ति को अपराधी कहना यह कहीं से भी सही नहीं है इससे समाज में गलत संदेश जाता है और कार्यकर्ताओं में निराशा होती है ।उन्होंने बताया की एक वर्ष पूर्व मुझे जेल से जान से मारने की धमकी दिया गया था जिसके बाद मुझे सुरक्षा प्रदान किया था जिस सुरक्षा को जिला प्रशासन मनमानी तरीके से हटा लिया है।

गुरु पूर्णिमा पर साहित्यांजलि प्रकाशन द्वारा आठ पुस्तकों के लोकार्पण सहित साहित्यकारों का सारस्वत सम्मान

माँ राजपती देवी स्मृति साहित्य सम्मान समारोह में पुस्तक प्रदर्शनी आज

प्रयागराज ।भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के रजत जयंती वर्ष में 'रविवार को' प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक 'ज्वाला देवी सरस्वती बालिका विद्या मंदिर सुभाष नगर' (ममफोर्ड गंज) प्रयागराज के भव्य सभागार में सुप्रसिद्ध साहित्यकार 'जया मोहन की अध्यक्षता' में महासंघ की सहयोगी संस्था श्री हनुमान पुस्तकालय दिया जाने वाला माँ राजपती देवी स्मृति साहित्य सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है द्य समारोह के 'मुख्य अतिथि' एली प्रमोद बंसल जी मण्डलाध्यक्ष एसोसिएशन आफ एलायन्स क्लब इण्टर नेशनल डिस्ट्रिक्ट 157 होंगे जिसमें 'अति विशिष्ट अतिथि' में महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र सहित वरिष्ठ साहित्यकार डॉ शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल , वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ बालकृष्ण पाण्डेय, पाठ्यक्रम पुस्तक लेखक सर्वेश कान्त वर्मा सरल,प्रधानाचार्य डॉ रवींद्र प्रकाश सिंह, माननीय चंद्र शेखर प्राण, डॉ० सुभाष चन्द्रा , डॉ इन्दु गुप्ता (फरीदाबाद) ,श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव (सुलतानपुर) , श्रीमती आरती सहज उपस्थित रहेंगी द्य 'विशिष्ट अतिथियों' में बेंगलुरु से गीता चौबे गूंज, वाराणसी से डॉ मञ्जरी पाण्डेय, जोधपुर से मंजू शर्मा जांगिड़ मनी , बिलासपुर से तुलसी देवी तिवारी, वाराणसी से सुषमा सिन्हा, प्रयागराज से श्रीमती रेखा तिवारी, श्रीमती मीना श्रीवास्तव , सम्पदा मिश्रा , रेनू मिश्रा दीपशिखा , डॉ उपासना पाण्डेय , गोरखपुर से डॉ सरिता सिंह , लखनऊ से अलका प्रमोद , बक्सर से डॉ मीरा सिंह मीरा , कानपुर से अन्नपूर्णा बाजपेयी आर्या , डॉ नीलाक्षी आदि उपस्थित होंगी।

पुस्तक प्रदर्शनी का दयित्व डॉ राम लखन चौरसिया वागीश, अरविंद मालवीय और प्रदीप सिंह को दिया गया हैद्य 'प्रदर्शनी आयोजन के समय तक ही रहेगी' द्य समारोह में डा० शम्भू नाथ त्रिपाठी अंशुल जी को साहित्यांजलि प्रकाशन की ओर से 'साहित्य श्री' सम्मान दिया जाएगा तथा इस अवसर पर पुस्तकालय द्वारा चयनित देश की चर्चित साठ महिला रचनाकारों को 'मां राजपती देवी स्मृति साहित्य सम्मान 2024' प्रदान किया जाएगा और जया मोहन के कहानी संग्रह 'भूली बिसरी कहानियाँ' , डॉ योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु के कहानी संग्रह 'शब्द संसार' , जनकवि प्रकाश के प्रबंध काव्य 'गुरु परशुराम' , मानिक सावी सहज के काव्य संग्रह 'सावी संसार' , डॉ सतीश बब्बा के व्यंग्य संग्रह 'भखाराम राम नहीं रहे' , सर्वेश कान्त वर्मा सरल के काव्य संग्रह 'अनामिका स्वर' , डॉ निशा नंदिनी भारतीय (असम) के निबंध संग्रह 'वेदत्व' सहित डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय के बाल काव्य संग्रह 'तोते का स्कूल' , कहानी संग्रह 'सोलह नई कहानियाँ' , आनंद नारायण पाठक के लघुकथा संग्रह 'उत्कर्ष पथ' का लोकार्पण भी किया जाएगा द्य नगीन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा प्रतिपादित पाठ्यक्रम पुस्तक 'सामान्य हिन्दी कक्षा बारह' की पुस्तक लेखक सर्वेश कान्त वर्मा सरल की ओर से पुस्तक में शामिल रचनाकार डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय को पुस्तक की प्रति भेंट की जाएगी।

समारोह के आयोजक श्री हनुमान पुस्तकालय के व्यवस्थापक, भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने सम्मानित साहित्यकारों, पत्रकारों , कवियों, लेखकों एवं शुभचिन्तको से कार्यक्रम में समय से पधारने की अपील की है ।

प्रतापगढ़ पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही जारी

प्रतापगढ़ ।थाना लालगंज क्षेत्रान्तर्गत कस्बा लालगंज कालाकाकर रोड HDFC बैंक के सामने गाली– गलौज करना, मारपीट करना, हत्या करने का प्रयास से संबंधित 01 अभियुक्त गिरफ्तार'

'घ्थाना लालगंज क्षेत्रान्तर्गत राजेन्द्र नगर चौराहे के पास से अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार'

'घटना का संक्षिप्त विवरण–'

दिनांक 18.07.2024 को वादी अपने रिश्तेदारों के साथ मनगढ़ मंदिर घूमकर वापस आते समय थाना लालगंज क्षेत्रान्तर्गत कस्बा लालगंज कालाकाकर रोड भ्क्थ्ब् बैंक के सामने 5–6 व्यक्तियों नें वादी की मोटर साइकिल में टक्कर मार दी, जिस पर वादी द्वारा पूछने पर गाली– गलौज करने लगे मना करने जान से मारने की नियत से गमछा से गला दबा देने के संबंध में वादी की तहरीर के आधार पर थाना लालगंज में 'मु0अ0सं0 285ध्2024 धारा 191(2), 109, 115(2), 352, 351(3) बनाम 01 नामजद व्यक्ति व 4–5 अज्ञात व्यक्ति' का अभियोग पंजीकृत किया गया है । 'पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ डॉ अनिल कुमार' द्वारा अपराधिक क्रिया कलाप में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 'अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चमी) संजय राय व क्षेत्राधिकारी लालगंज रामसूरत सोनकर' के पर्यवेक्षण व थाना प्रभारी लालगंज नीरज कुमार यादव के नेतृत्व में 'उ0नि0 दीपक कुमार यादव मय हमराह का0 ऋषिकान्त इन्दौलिया, हो0गा0 सर्वेश पाण्डेय' द्वारा देखभाल क्षेत्रध् तलाश वांछित अभियुक्त के दौरान, मुखबिर की सूचना पर थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग से संबंधित 01 वांछित अभियुक्त 'आकाश सिंह पुत्र राजकुमार सिंह निवासी शीतलमऊ थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़' को थाना क्षेत्र राजेन्द्र नगर चौराहे के पास से गिरफ्तार किया गया ।

'गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण –'

आकाश सिंह पुत्र राजकुमार सिंह निवासी शीतलमऊ थाना लालगंज जनपद प्रतापगढ़ ।

'पुलिस टीम–'

उ0नि0 दीपक कुमार यादव मय हमराह का0 ऋषिकान्त इन्दौलिया, हो0गा0 सर्वेश पाण्डेय थाना लालगंज, प्रतापगढ़ ।

न्यायमूर्ति सुधीर नारायण एवं डा0 रामकिशोर शुक्ल किये गये सम्मानित

संस्कार भारती महानगर प्रयागराज द्वारा गुरूओं का सम्मान'

प्रयागराज। संस्कार भारती महानगर प्रयागराज के तत्वाधान में गुरूपूर्णिमा की पूर्व संध्या पर हिन्दुस्तानी एकेडेमी के गांधी सभागार में संस्कार भारती के अध्यक्ष योगेन्द्र कुमार मिश्र षविश्वबन्धुष की अध्यक्षता में नटराज पूजन एवं गुरू सम्मान कार्यक्रम आयोजित हुआ ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय में संगीत के प्रोफेसर प्रेमकुमार मल्लिक ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन तथा सभी अतिथियों नटराज पूजन किया। संस्था के संयोजक संतोष पांडेय एवं मंत्री प्रियंका चौहान के द्वारा ध्येयगीत गायन के पश्चात अतिथिगण को पुष्पगुच्छ,अंग–वस्त्र एवं स्मृति–चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया ।गुरूरूप में सम्मानित की जाने वाली विभूतियों में सर्वप्रथम माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण जी को चित्रकला एवं साहित्य के लिए तथा डा रामकिशोर शुक्ल को चित्रकला के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. राम किशोर शुक्ल ने कहा गुरु शिष्य को अपने ज्ञान से प्रकाशित कर देता है गुरु शिष्य का भविष्य बना देता है। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण अग्रवाल ने कहा कि गुरु ही सच्चा पथ प्रदर्शक होता है वही ईश्वर प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करता है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पाठ्यक्रम समन्वयक ,सेन्टर ऑफ मीडिया स्टडीज डा0धनंजय चौपड़ा ने विषय ष्भारतीय परिवेश में गुरूओं का स्थान एवं शिष्यों से संबंधष् पर बोलते हुए कहा कि हमारे देश में गुरूओं का विशेष सम्मान रहा है,उन्हें ब्रह्मतुल्य स्थान दिया गया गया। मुख्य अतिथि मल्लिक जी ने गुरू–शिष्य संबंध में संगीत–घरानों का उदाहरण देते हुए इसे सर्वत्र पहुंचाने की आवश्यकता पर बल दिया और सभी को गुरूपूर्णिमा की बधाई व शुभकामनायें दीं। उक्त अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका प्रेमलता मिश्र, सुशील राय,कोषाध्यक्ष शम्भूनाथ श्रीवास्तव,मनोज गुप्ता,रंजना त्रिपाठी, कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा,अर्चना पाण्डेय, राकेश मालवीय,रेखा तिवारी,आलोक मिश्र ,भगवान प्रसाद उपाध्याय,उदय चन्द परदेसी,रागिनी चन्द्रा,ऊषा मिश्रा,इन्द्रकांत मिश्र,डा0गीता सिंह ,ओंकार नाथ साहू,तलत महमूद,एम एस खान, पवन कुमार शुक्ल आदि अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संस्था के महामंत्री विभव शंकर मिश्र ने समस्त अतिथिगण के प्रति आभार प्रकट किया तथा विशेषरूप से हिन्दुस्तानी एकेडेमी के प्रति उसके सहयोग के लिए ।कार्यक्रम का संचालन संतोष पांडेय ने किया।

मंत्रियों ने अलग-अलग जिलों में किया वृक्षारोपण

एक पेड़ मां के नाम का यूपी के भरपूर असर

लखनऊ,(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी के महाभियान एक पेड़ मां के नाम का यूपी में व्यापक असर दिखा। योगी कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने अलग अलग जिलों में वृक्षारोपण कर अभियान को गति देने का काम किया। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को निर्देश दिये हैं कि वृक्षारोपण के प्रति लोगों को जागरूक करना है और उन्हें यह भी बताना है कि पौधे लगाने के साथ ही उनके संरक्षण की भी जिम्मेदारी निभानी है ।प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाभियान ष्एक पेड़ मां के नाम जन अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार बुलंदशहर और गाजियाबाद में प्रभारी मंत्री के रूप में कार्यक्रम का नेतृत्व किया। बुलंदशहर और गाजियाबाद में पौधारोपण करते हुए कहा, वृक्ष हमारे पर्यावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और इनका संरक्षण हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। पेड़ न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ष उन्होंने इस महाभियान में हर नागरिक से भाग लेने का आग्रह किया और जोर दिया कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए ।वहीं प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्रीस्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाभियान ष्एक पेड़ मां के नामष जन अभियान 2024 के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार कानपुर नगर के प्रभारी मंत्री के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया ।मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने इस अवसर पर पौधारोपण करते हुए कहा, ष्पर्यावरण संरक्षण हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वृक्षारोपण से न केवल पर्यावरण का संतुलन बना रहता है, बल्कि इससे हमारे जीवन में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने सभी नागरिकों से इस महाभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आह्वान किया। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने प्रधानमंत्री के महाभियान ष्एक पेड़ मां के नामष जन अभियानके अंतर्गत विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कहा, वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। पेड़ न केवल हमारे वातावरण को शुद्ध रखते हैं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करते हैं। हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कम से कम एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करे।ष कार्यक्रम में स्थानीय प्रशासन, शैक्षिक संस्थानों के छात्र–छात्राएं, और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। दूसरी ओर उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने झाँसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाभियान ष्एक पेड़ मां के नामष जन अभियान के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रजनी तिवारी ने कहा, यह महाभियान पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और हरियाली को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। हम सबको इसमें सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए।

संक्षिप्त

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत यूपी टिम्बर एसोसिएशन ने किया पौधा रोपण

'प्रदेश के हर जिले में टिम्बर व्यापारियों ने किया पौधा रोपण'

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री,मुख्यमंत्री व वन मंत्री की अपील पर संपूर्ण उत्तर प्रदेश में दर्जनों जिलों में पौधा रोपण अभियान चलाया। प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी ने बताया कि संगठन से जुड़े तमाम टिम्बर व्यापारियों द्वारा अपने अपने जिले में मिला कर सम्पूर्ण प्रदेश में तकरीबन 1100 पौधे लगाए गए इसी कड़ी में आज संगठन के प्रदेश कार्यालय ऐशबाग के पास स्थित पार्क में नगर निगम लखनऊ के उपाध्यक्ष व बशीरतगंज वार्ड के पार्षद गिरीश गुप्ता जी व ऐशबाग वार्ड के पूर्व पार्षद साकेत शर्मा जी द्वारा पौधा रोपण किया गया इस मौके पर उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मोहनीश त्रिवेदी,विधिक सलाहकार अशीष त्रिवेदी, संरक्षक अख्तर खान, सौरभ गुप्ता, रूप कुमार,धीरज त्रिवेदी,एजाज खान,वसीम अहमद,अंशुल त्रिवेदी,विवेक पांडे सहित बड़ी संख्या में टिम्बर व्यापारी और क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहें। मोहनीश त्रिवेदी ने बताया कि उत्तर प्रदेश टिम्बर एसोसिएशन से जुड़े लखनऊ सहित मेरठ, अमरोहा, अयोध्या, उन्नाव, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर, हरदोई, गाजीपुर, बाराबंकी, मुरादाबाद, बिजनौर, रामपुर, सीतापुर, लखीमपुर, कुशीनगर सहित दर्जनों जिलों के पुश्तैनी टिंबर व्यापारियों ने पौधा रोपण अभियान में हिस्सा लिया।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में पौधरोपण

लखनऊ,(एजेंसी)। पर्यावरण का संरक्षण हम सब का दायित्व है–इस उद्देश्य से आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्स्थापना समिति द्वारा उच्च शिक्षा विभाग को आवंटित लक्ष्य 22,000 पौधरोपण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए महाविद्यालय प्रांगण में पौधरोपण कार्यक्रम प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय के दिशा निर्देशन में आयोजित किया गया। जिसमें मेजर (डॉ) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में लगभग 100 से अधिक पौधे रोपित किए गए। पौधरोपण में महाविद्यालय की एन.सी. सी, एन.एस.एस. और अन्य छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर विभिन्न प्रकार के पौधे जैसे, गुलमोहर, अनार, अमरूद, आवंला, शीशम, सागौन, बरगद, नींबू आदि का रोपण किया तथा कुछ पौधे अध्यापिकाओं और छात्राओं को अपने घरों के आस–पास लगाने और उनको संरक्षित करने के आश्वासन के साथ प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की पर्यावरण संरक्षण एवं पुनर्स्थापना समिति की सदस्य प्रो. मंजुला यादव, प्रो नीतू सिंह ,डॉ सरोज रानी, डॉ नेहा यादव एवं डॉ स्नेहा चौधरी तथा अन्य शिक्षिकाओ ने पौधरोपण किया।

यूपी विधानसभा उपचुनाव को लेकर बड़ी खबर, सपा-कांग्रेस में सीट शेयरिंग पर चर्चा नहीं

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जल्दी ही 10 विधानसभा सीटों के लिए उपचुनाव होने वाले हैं। जिसको लेकर सभी सत्ताधारी पार्टियों ने कमर कस ली है और तैयारियां भी शुरु कर दी हैं। इस बीच सूत्रों के हवाले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है कि यूपी उपचुनाव में सपा–कांग्रेस में सीट शेयरिंग पर कोई भी चर्चा नहीं हुई है। समाजवादी पार्टी कांग्रेस को सिर्फ एक सीट देने के लिए राजी है। समाजवादी पार्टी कांग्रेस को गाजियाबाद सीट दे सकती है। कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से 4 सीटों की डिमांड की थी जिनमें फूलपुर,मझवां, कुंदरकी, मीरापुर सीट शामिल है। उत्तर प्रदेश की जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है उसमें से सपा जिन 8 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है उसमें कटेहरी (अंबेडकरनगर), करहल (मैनपुरी), मिल्कीपुर (अयोध्या), मीरापुर (मुजफ्फरनगर), मझवां (मिर्जापुर), सीसामऊ (कानपुर नगर), खैर (अलीगढ़) और कुंदरकी (मुरादाबाद) सीट है। आपको बता दें कि उत्तर की 10 विधानसभा सीटों– करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर मीरापुर, फूलपुर, मझवा और सीसामऊ पर उपचुनाव होना है। इन सीटों में 5 समाजवादी पार्टी का कब्जा है। आरएलडी और निषाद पार्टी की 1–1 सीट हैं जबकि भारतीय जनता पार्टी की 3 सीटें हैं।

तीन आईपीएस अफसरों का तबादला, अमित वर्मा बने लखनऊ के जेसीपी एलओ

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में तीन आईपीएस अफसरों का तबादला किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार आईपीएस अमित वर्मा को लखनऊ का जेसीपी लॉ एंड आर्डर बनाया गया है। इसके अलावा आईपीएस उपेंद्र अग्रवाल को आईजी ईओडब्लू और आईपीएस संतोष मिश्रा को एसपी सुरक्षा एवं प्रशिक्षण बनाया गया है।

झोपड़ी में घुसा बेकाबू ट्रक, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में बीबीडी यूनिवर्सिटी के पास भीषण हादसा हो गया है। इस हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई है। मृतक परिवार बाराबंकी का रहने वाला बताया जा रहे है। मृतकों में पति, पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया और आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद घटना की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, एक अनियंत्रित ट्रक बेकाबू होकर झोपड़ी में जा घुसा। उसमें सो रहे एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक सात वर्षीया बच्ची बच गई। हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक और क्लीनर को पकड़ लिया गया है।

प्रगति विचारधारा फाउंडेशन द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत लगाए गए 51 पौधे

लखनऊ,(एजेंसी)। पर्यावरण जल एवं संस्कृति संरक्षण संस्था प्रगति विचारधारा फाउंडेशन द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार के कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम जिसमें आज उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 36 करोड़ 50 लाख पौधे लगाए जाएंगे के तहत संस्था द्वारा आशियाना स्थित अंबेडकर पार्क मैं 51 पौधे लगाए गए जिसमें फल और फूलदार वृक्ष के अलावा छायादार पेड़ लगाए गए। प्रगति विचारधारा फाउंडेशन के अध्यक्ष नेहा खरे का कहना है कि आज हम जितने वृक्ष लगाएंगे हमारे आने वाली पीढ़ी उतना ही ऑक्सीजन और छाया पाएगी। अपने जीवन में किसी भी शुभ दिन एक पौधा जरूर लगाए। कार्यक्रम में स्टेलर अकादमी की प्रिंसिपलअंजली श्रीवास्तव, एसके अवस्थी, विजयलक्ष्मी, विनीषा खरे व आरजे प्रदीप शुक्ला जी प्रमुख तौर से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

यूएन की शीर्ष अदालत ने क्षेत्रों पर इजराइल के कब्जे की वैधता पर विशेषज्ञ राय देने के लिए बैठक बुलाई

हेग (नीदरलैंड्स) । संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने फलस्तीनी राष्ट्र के लिए मांगी गई भूमि पर इजराइल के 57 वर्षों के कब्जे की वैधता पर एक गैर–बाध्यकारी सलाहकारी राय देने के लिए सुनवाई शुरू की है। यह निर्णय इजरायल की नीतियों की तुलना में अंतरराष्ट्रीय राय पर अधिक प्रभाव डाल सकता है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अध्यक्ष नवफ सलाम को विश्व भर के 15 न्यायाधीशों की समिति की राय पढ़ने में लगभग एक घंटे का समय लगने की उम्मीद है। शुक्रवार की सुनवाई गाजा पर इजराइल के 10 महीने के भीषण सैन्य हमले की पृष्ठभूमि में हो रही है। दक्षिणी इजराइल में हमास के हमलों के बाद उसने यह जवाबी कार्रवाई शुरू की थी। एक अलग मामले में, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय दक्षिण अफ्रीका के इस दावे पर विचार कर रहा है कि गाजा में इजराइल का अभियान नरसंहार के बराबर है। इस दावे का इजराइल पुरजोर खंडन करता है। पश्चिम एशिया युद्ध में इजरायल ने 1967 में पश्चिमी तट, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया था। फलस्तीनी तीनों क्षेत्रों को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में चाहते हैं। इजराइल पश्चिमी तट को विवादित क्षेत्र मानता है, जिसका भविष्य बातचीत से तय किया जाना चाहिए। उसने हालांकि अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए वहां बस्तियां बसा दी हैं। उसने पूर्वी यरुशलम पर कब्जा कर लिया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके इस कदम को मान्यता प्राप्त नहीं है।

बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शन: अब तक 105 की मौत, पूरे देश में लगाया गया कर्फ्यू

बांग्लादेश की प्रधान मंत्री शेख हसीना की सरकार ने देश भर में कर्फ्यू लगा दिया और सरकारी नौकरियों में कोटा प्रणाली को लेकर घातक झड़पों के बाद व्यवस्था बनाए रखने के लिए सैन्य बलों की तैनाती का आदेश दिया है। शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों ने नरसिंगडी में एक जेल पर धावा बोल दिया और सैकड़ों कैदियों को रिहा कर दिया। यह घोषणा सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के महासचिव ओबैदुल क़ादर ने की थी, और पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी करने और राजधानी में सभी सभाओं पर प्रतिबंध लगाने के बाद यह घोषणा की गई थी।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पूरे बांग्लादेश में पिछले दिनों हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या अब 105 तक पहुँच गई है। क्वाडर ने कहा कि सेना को नागरिक प्रशासन को व्यवस्था बनाए रखने में मदद करने के लिए तैनात किया गया था।

बांग्लादेश में अराजकता, मौत का मंजर

राष्ट्रव्यापी आंदोलन, जो इस साल की शुरुआत में प्रधान मंत्री शेख हसीना के दोबारा चुने जाने के बाद सबसे बड़ा आंदोलन था, में पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां और आंसू गैस छोड़ी, जबकि शुक्रवार को राजधानी में सभी समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। पिछले दिन, बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों ने राज्य टेलीविजन नेटवर्क के मुख्यालय सहित कई सरकारी इमारतों में आग लगा दी, जिससे कई लोग धधकती इमारत के अंदर फंस गए।

245 भारतीय नागरिक वापस वतन लौटे

इस बीच, लगभग 245 भारतीय नागरिक शुक्रवार को पूर्वोत्तर में सीमा बिंदुओं को पार करने के बाद घर लौट आए क्योंकि कम से कम तीन सप्ताह से जारी विरोध प्रदर्शन इस सप्ताह तेज हो गया है। टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने छात्रों को मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के लिए बातचीत के लिए आमंत्रित किया। हालाँकि, मौजूदा स्थिति को देखते हुए, यह स्पष्ट नहीं है कि छात्र सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे या नहीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश का आंतरिक मामला है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वर्तमान में बांग्लादेश में रह रहे 8,500 छात्रों सहित 15,000 भारतीय सुरक्षित हैं। सरकार ने 125 छात्रों सहित 245 भारतीयों की वापसी की सुविधा प्रदान की है।

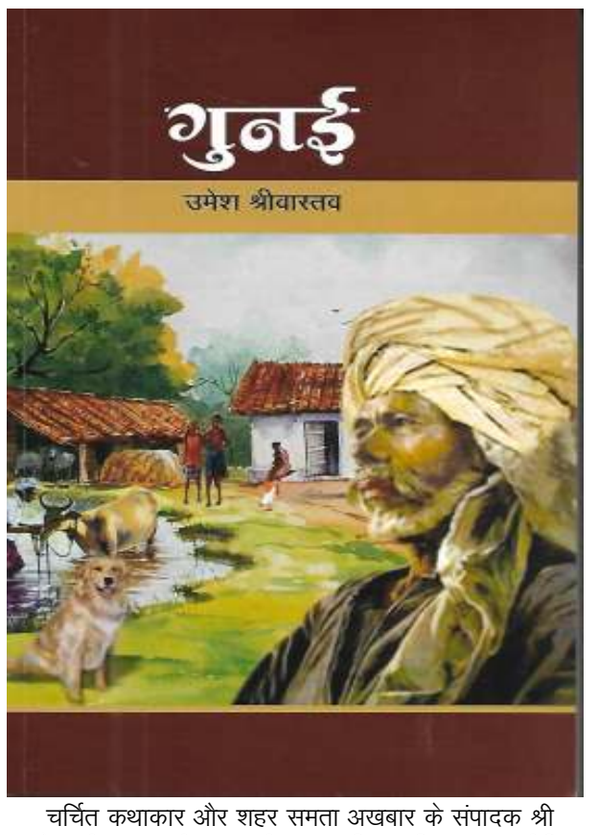

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

इसी वजह से बहुत से लोग इन्हें पसंद करते हैं

ट्रंप को लेकर मेटा सीईओ ने जानें क्यों कहा ऐसा?

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए अटैक को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने इसे ट्रंप के फाइटबैक मूव को प्रेरणादायक बताया, हालांकि उन्होंने आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन का समर्थन करने से परहेज किया। जुकरबर्ग ने ब्लूमबर्ग से कहा कि कान के पास से गोली के गुजरने के बाद डोनाल्ड ट्रंप को उठते और अमेरिकी झंडे के साथ अपनी मुट्ठी हवा में लहराते देखना मेरे जीवन में अब तक देखी गई सबसे बुरी चीजों में से एक है। इसके साथ ही मेटा सीईओ ने साफ कर दिया कि वो किसी भी उम्मीदवार का समर्थन नहीं करेंगे, न ही उनकी आगामी चुनाव में किसी भी तरह से शामिल होने की योजना है। जुकरबर्ग ने कुछ अमेरिकियों के लिए ट्रंप की मजबूत अपील को स्वीकार किया। एक अमेरिकी के रूप में कुछ स्तर पर, उस भावना और उस लड़ाई के बारे में भावुक न होना कठिन है। और मुझे लगता है कि यही कारण है कि बहुत से लोग उस व्यक्ति को पसंद करते हैं।

भारत ने विदेश सचिव मिसरी की पहली विदेश यात्रा के दौरान भूटान के साथ घनिष्ठ संबंधों की पुष्टि की

थिम्पू। भारत ने शुक्रवार को भूटान के साथ अपने घनिष्ठ मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि की तथा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता का संकल्प जताया। विदेश सचिव मिसरी ने यहां प्रधानमंत्री ल्योंछेन दाशो शेरिंग तोबगे को भूटान के विकास के लिए एकजुटता की भावना से अवगत कराया। भूटान स्थित भारतीय मिशन ने बैठक की तस्वीरें 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, ''विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मुलाकात की। विदेश सचिव ने भूटान के साथ भारत के घनिष्ठ मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि की तथा भूटान की शाही सरकार और जनता की प्राथमिकताओं के अनुरूप भारत–भूटान संबंधों को

और मजबूत करने की भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई।'' इससे पहले, मिसरी ने प्रधानमंत्री तोबगे से मुलाकात की, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ''आपसी विश्वास और लाभ पर आधारित घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंध निरंतर मजबूत होने चाहिए।'' मिसरी अपने समकक्ष पेमा चोडेन के साथ भारत–भूटान विकास सहयोग वार्ता की सह–अध्यक्षता करने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर शुक्रवार को यहां पहुंचे। कार्यभार संभालने के एक सप्ताह से भी कम समय में यह उनकी पहली आधिकारिक विदेश यात्रा है। विदेश सचिव मिसरी ने प्रधानमंत्री तोबगे से मुलाकात की। इस दौरान तोबगे ने मिसरी को उनकी नियुक्ति पर बधाई दी ।तोबगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह जानकर खुश हूं कि विक्रम मिसरी ने भारत के विदेश सचिव के रूप में अपनी नियुक्ति के मात्र चार दिन बाद ही अपनी पहली विदेश यात्रा के रूप में भूटान का दौरा करने का फैसला किया है। मैं उनकी नियुक्ति पर उन्हें बधाई देता हूं। हमारी वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित रहेगा।''

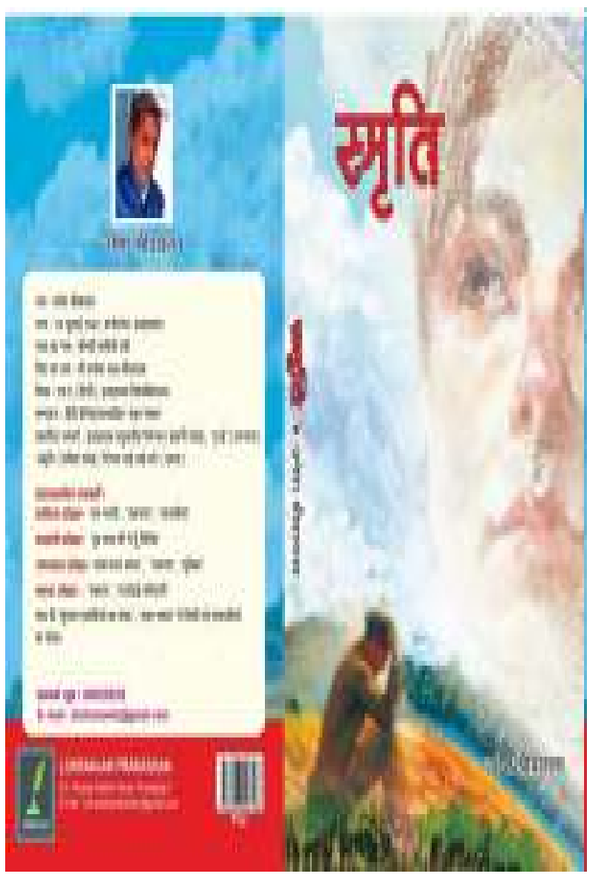

एस.लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

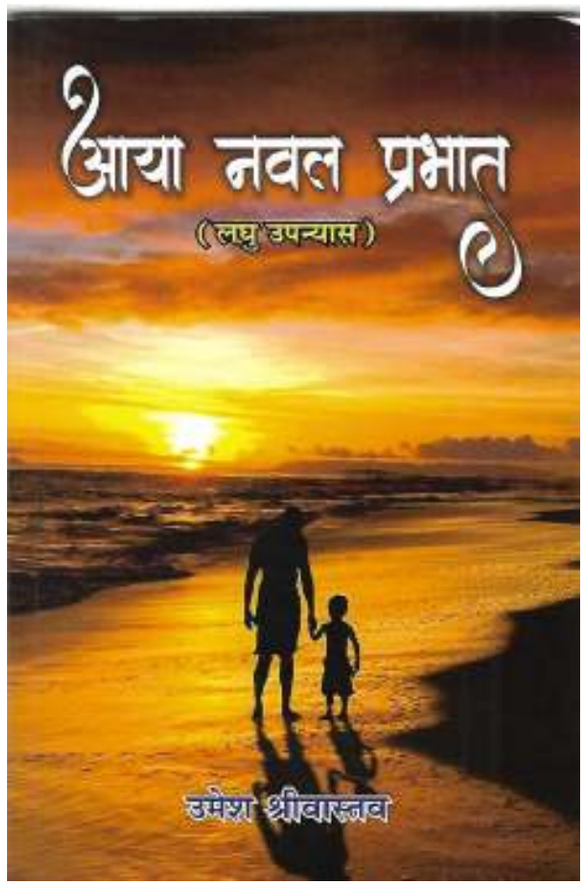

अदन की खाड़ी में नहीं थम रहे हमले, हूती विद्रोहियों ने सिंगापुर के झंडे वाले जहाज को बनाया निशाना

यरुशलम। इस्राइल–हमास युद्ध शुरू होने के बाद यमन के हूती विद्रोही जहाजों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देश खुले शब्दों में चेतावनी दे चुके हैं, लेकिन हूती अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे हैं। एक बार फिर विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में हमला कर सिंगापुर के झंडे वाले जहाज को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसकी जानकारी सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) ने दी। सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण का कहना है कि जानकारी मिली थी कि जहाज लोबिविया अदन की खाड़ी को पार कर रहा था, तभी उस पर हमला कर दिया गया। इससे जहाज पर आग लग गई। बाद में चालक दल ने आग बुझाई। वहीं, चौनल न्यूज एशिया ने प्राधिकरण के हवाले से बताया कि चालक दल में सिंगापुर का कोई नागरिक नहीं है और सभी सदस्य सुरक्षित हैं। जहाज पर हमला होने के बाद भी वह सोमालिया के बर्बेरा पोर्ट पर पहुंचा। एमपीए ने कहा कि वह किसी भी तरह की सहायता करने के लिए पोत प्रबंधक के संपर्क में है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

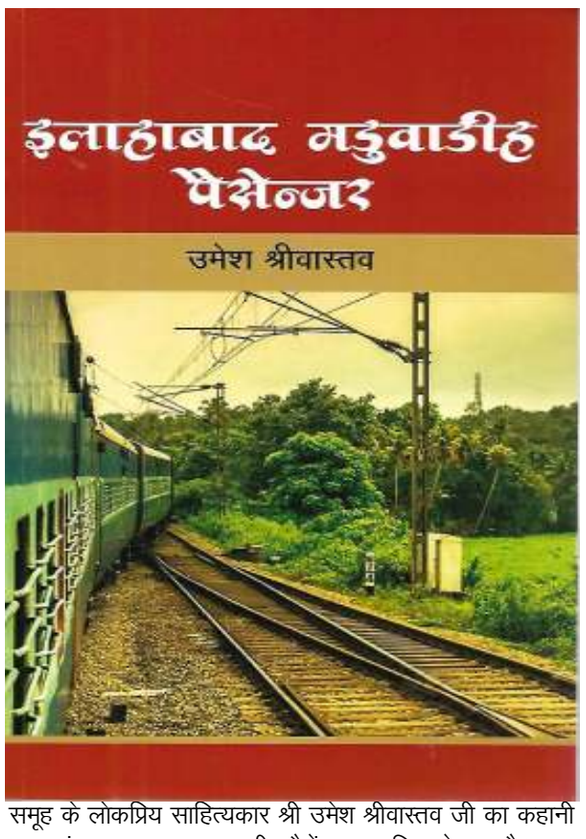

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

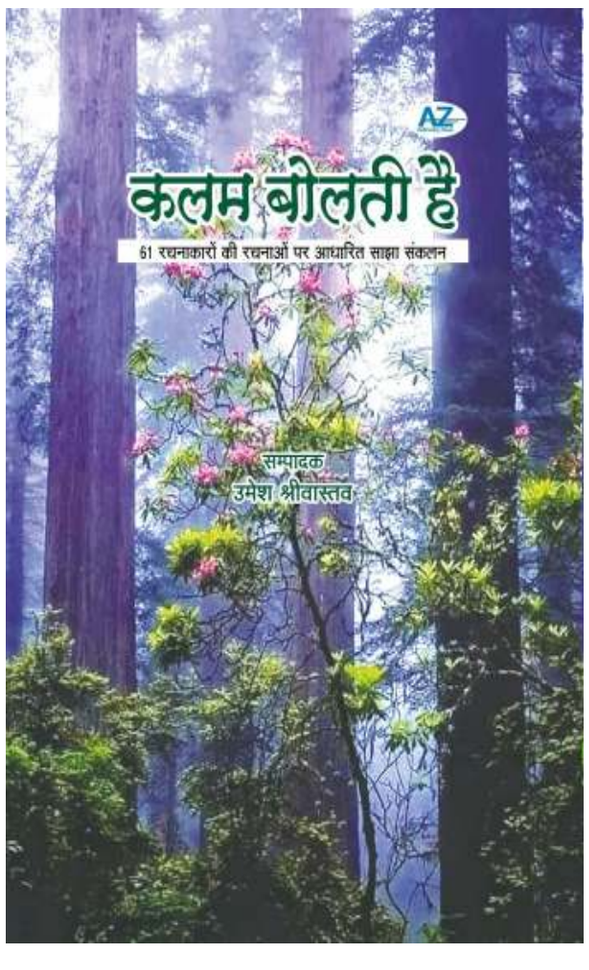

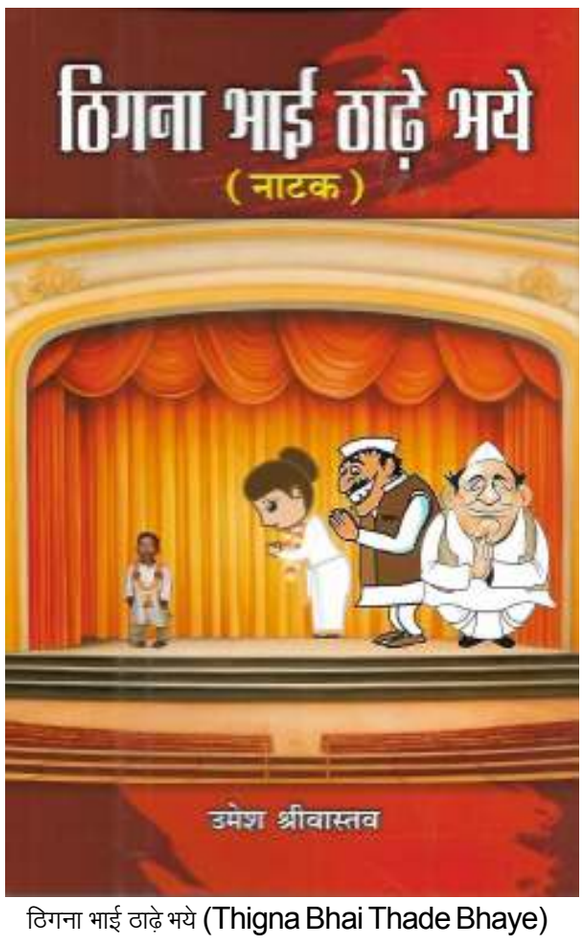

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)